आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650

इंदौर, सोमवार 09 फरवरी 2026

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 89

■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

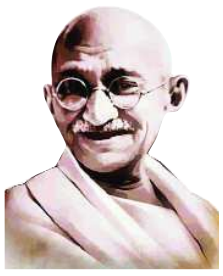

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

शादी का फर्जी निमंत्रण कार्ड, सायबर ठगी

पेज-2

'भूत बंगला' की रिलीज डेट का ऐलान

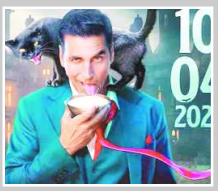

पेज-5

कान्ह नदी के नीचे से गुजरेगी मेट्रो

पेज-6

अब बिना रेरा नंबर नहीं बिकेगा घर रजिस्ट्री पर लगेगी सीधी रोक

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्य प्रदेश सरकार ने रेरा पंजीकरण के बिना प्रोजेक्ट की रजिस्ट्री पर रोक लगाई है। विक्रय अनुबंध में रेरा नंबर लिखना अनिवार्य किया गया है। बिना रेरा पंजीयन वाले प्रोजेक्ट्स से खरीदारों को कानूनी सुरक्षा मिलेगी। रेरा पंजीकरण के आंकड़े बताते हैं कि कई प्रोजेक्ट्स बिना मंजूरी के चल रहे थे। सरकार ने रेरा कार्यालयों को अन्य शहरों में खोलने की मांग को स्वीकार किया है। मध्यप्रदेश में घर या फ्लैट खरीदने वालों के लिए सरकार ने बड़ा और सख्त फैसला लिया है। अब कोई भी बिल्डर या डेवलपर अगर रेरा में पंजीकृत नहीं है, तो वह अपने प्रोजेक्ट की रजिस्ट्री नहीं करा पाएगा। अब रेरा नंबर के बिना मकान बेचना नामुमकिन होगा।

एमपी सरकार ने रियल एस्टेट सेक्टर में पारदर्शिता लाने के लिए यह व्यवस्था लागू की है। अब विक्रय अनुबंध (एग्रीमेंट टू सेल) में रेरा पंजीयन नंबर लिखना अनिवार्य कर दिया गया है। अगर एग्रीमेंट में रेरा नंबर नहीं होगा, तो सब रजिस्ट्रार रजिस्ट्री करने से मना कर सकता है। खरीदार को कानूनी सुरक्षा मिलेगी। फर्जी और अवैध प्रोजेक्ट्स पर रोक लगेगी।

इस फैसले से आम लोगों को कई स्तर पर राहत मिलेगी। यह बिना पंजीयन वाले प्रोजेक्ट्स से बचाव करेगा। धोखाधड़ी की संभावना कम होगी। समय पर सुविधाएं और कब्जा मिलने की उम्मीद है। अब बिल्डर मनमर्जी से कागजों में कॉलोनी बेचकर गायब नहीं हो पाएंगे। अवैध कॉलोनियों

और फर्जी बिल्डरों पर कसा शिकंजा। प्रदेश के कई शहरों में बिना रेरा पंजीयन के कॉलोनियां विकसित की जा रही थीं। फ्लैट बेचे जाते थे, लेकिन सड़क, पानी, बिजली जैसी सुविधाएं नहीं मिलती थीं। इसके बाद खरीदारों को मालिकाना हक के लिए भटकना पड़ता था। अब रजिस्ट्री के समय रेरा नंबर की जांच होगी, जिससे यह खेल शुरुआती स्तर पर ही रुक जाएगा।

आंकड़े बताते हैं कि अब तक नियमों की अनदेखी होती रही है। पिछले 5 वर्षों में कुल आवेदन: 6,323 थे, जिनमें से 3,398 स्वीकृत पंजीयन हुए। 981 आवेदन निरस्त किए गए, यानी लगभग आधे प्रोजेक्ट्स को ही वैध मंजूरी मिल पाई। इसके बावजूद कई निर्माण कार्य बिना पंजीयन के पूरे कर लिए गए।

रेरा एक्ट में पहले से ही भारी जुर्माना,जेल की सजा तक का प्रावधान मौजूद है। लेकिन अब रजिस्ट्री लेवल पर रोक लगने से नियम और मजबूत हो गए हैं। इससे बिल्डरों की जवाबदेही बढ़ेगी और उपभोक्ता का भरोसा मजबूत होगा। रियल एस्टेट कारोबार के बढ़ते दायरे को देखते हुए इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर जैसे बड़े शहरों में भी रेरा की शाखाएं खोलने की मांग लंबे समय से की जा रही है। इससे शिकायतों का निपटारा तेज होगा और निगरानी बेहतर हो सकेगी।

रेरा का साफ संदेश: जागरूक बनें उपभोक्ता

रेरा के विशेष सचिव राजेश बहुगुणा के अनुसार, बिना रेरा पंजीयन के मकान या फ्लैट बेचने पर जुर्माने के साथ सजा का भी प्रावधान है। रेरा एक्ट उपभोक्ताओं के अधिकारों की सुरक्षा के लिए बनाया गया है। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील की है कि खरीद से पहले रेरा नंबर जरूर जांचें और बिना पंजीयन वाली संपत्ति से दूरी रखें। यह फैसला सिर्फ एक नियम नहीं, बल्कि घर खरीदने वालों के लिए सुरक्षा कवच है। अब रियल एस्टेट बाजार में पारदर्शिता, भरोसा और जवाबदेही तीनों मजबूत होंगे।

न्यूज ब्रीफ

- आंध्र प्रदेश में फूड पॉइजनिंग से 80 से ज्यादा बच्चे बीमार, अस्पताल में भर्ती
- शेयर बाजार में भरी रफ्तार, सेंसेक्स 84000 के पार
- दिल्ली में 9 स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी
- बिहार में महिलाएं और बच्चियां सुरक्षित नहीं हैं- आरजेडी प्रवक्ता
- दिल्ली : विकासपुरी में बस में लगी भीषण आग
- यूपी में बजट सत्र आज से, 11फरवरी को पेश होगा बजट
- अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने जापान की नव निर्वाचित पीएम तकायची को दी जीत की बधाई
- विपक्षी नेताओं की बैठक आज, खड़गे के दफ्तर में होगी मीटिंग
- उन्नाव केस में कुलदीप सिंह सेंगर की जमानत अर्जी पर आज सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

कड़ी शर्तों के चलते नहीं हो पा रहा कुमेड़ी आइएसबीटी का टेंडर

तीन बार टेंडर होने के बावजूद नहीं दिखाई किसी कंपनी ने रुचि

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● आईडीए द्वारा 100 करोड़ की लागत से बनाए गए आइएसबीटी कुमेड़ी के संचालन के लिए कंपनियां रुचि नहीं ले रही है। जुलाई 2025 को बनकर तैयार हो चुके आईएसबीटी के संचालन के लिए तीन बार टेंडर जारी हो चुके हैं, लेकिन किसी कंपनी द्वारा रुचि नहीं दिखाए जाने से अब तक यहां से बसों का संचालन प्रारंभ नहीं हो सका है। इसकी वजह वह शर्तें बताई जा रही हैं, जो प्राधिकरण ने थोप रखी है। शहर में बढ़ते वाहन और ट्रैफिक समस्या के चलते अंतराज्यीय बसों के सुव्यवस्थित संचालन के लिए आईडीए द्वारा शहर से बाहर नायता मुंडाला और कुमेड़ी में आइएसबीटी बनाए, लेकिन सरकार की रणनीति फेल ही गई। नायता मुंडला आईएसबीटी में जहां गिनती की बस संचालित हो रही है तो कुमेड़ी आईएसबीटी के लिए अभी तक टेंडर ही जारी हो रहे हैं।

गुजरात की कंपनी ने दिखाई थी रुचि : तीन टेंडर फेल होने के आइडीए ने अहमदाबाद और वडोदरा आएएसबीटी को संचालित करने वाली कंपनी ने संपर्क किया था। प्रोजेक्ट देखने के बाद कंपनी ने रुचि भी दिखाई थी, लेकिन शर्तों को देखकर वह पीछे हट गई। वहीं इन कंपनियों ने जब पता लगा कि अधिकांश बसे नेताओं और अधिकारियों की हैं, जिनसे संचालन का पैसा मिलने दिक्कत आएगी। संभवत: इन कंपनियों के पीछे हटने की एक वजह ये भी है। कुमेडी आईएसबीटी जब पूर्ण रूप से संचालित होगा, तब यहां से राजस्थान, दिल्ली, गुजरात और उज्जैन सहित 36 रूट की करीब 1400 बसों का संचालन होगा, इनमें करीब 70 हजार यात्री सफर करेंगे। एयरपोर्ट जैसी सुविधाओं से लैस 100 करोड़ की लागत वाले इस बस स्टैंड को पूरा हुए आठ माह से अधिक हो गए, लेकिन स्थिति जस के तस हैं। ऐसी ही स्थिति रही तो कुछ समय में आलीशान भवन खंडहर में तब्दील हो जएगा। सिंहस्थ 2028 की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। बस स्टैंड समय रहते शुरू हो जाए तो उसकी कमजोरी या खामियों को भी ठीक किया जा सकता है।

ये शर्तें बन रही बाधक !

बताया जाता है कि प्राधिकरण ने बस स्टैंड का ठेके देने के लिए जो शर्तें रखी गई है वे काफी कठिन है। कलेक्टर गाइडलाइन के हिसाब से पहले ठेकेदार कंपनी से 75 करोड़ रुपए अर्नेस्ट मनी मांगी गई थी, जिसे बदलकर 5 करोड़ किए गए। इसके अलावा हर माह होने वाली कमाई का हिस्सा अलग देना होग। जो सबसे ज्यादा राशि देगा, उसे ठेका दिया जाएगा। वहीं ठेकेदार कंपनी को हर माह डेढ़ से दो करोड़ रुपए आईएसबीटी के रखरखाव पर खर्च करना अलग है। इसलिए यह घाटे का सौदा लग रहा है, जिसकी वजह से कोई कंपनी हाथ नहीं डाल रहा है। अब चौथी बार टेंडर जारी करने की तैयारी है।

एक नजर कुमेड़ी बस स्टैंड पर

- क्षेत्रफल - 5.82 हेक्टेयर
- लागत - 100.60 करोड़
- बसों का संचालन - 1400 प्रतिदिन
- यात्रियों की संख्या - 70 हजार प्रतिदिन
- वातानुकुल व्यवस्था
- बस स्टैंड का हॉल, रेस्टोरेंट, दुकानें
- सुरक्षा - सीसीटीवी व सुरक्षा गार्ड
- पार्किंग - अंडरग्राउंड
- कनेक्टिविटी मेट्रो ट्रेन से

जया किशोरी का पहला कमर्शियल कथा कॉन्सर्ट अधर में

मिलने के लिए रखा था 14 हजार का टिकट

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● कथावाचक जया किशोरी का पहला कमर्शियल कथा कॉन्सर्ट अधर में लटक गया है। इस कॉन्सर्ट के जरिए जया किशोरी एक नया ट्रेंड लाने वाली थीं। इसमें कथा के दौरान व्यक्तिगत रूप से मिलने के लिए 14 हजार रुपए का अलग से टिकट रखा गया था। अब इस कॉन्सर्ट को स्थगित कर दिया गया है। सूत्रों के मुताबिक, महंगी टिकट और कमर्शियल शो होने की वजह से बुकिंग में उतना रिस्पॉन्स नहीं मिला, जिसके चलते इसे फिलहाल टाल दिया गया है।

इंदौर सहित पांच शहरों में होना था आयोजन : अब तक कथावाचकों के कार्यक्रम नि:शुल्क होते थे या फिर नाममात्र का शुल्क लिया जाता था। लेकिन जया किशोरी का कॉन्सर्ट एक नया ट्रेंड लेकर आ रहा था। 'डिवाइन कॉन्सर्ट' नाम से पांच शहरों में कार्यक्रम होने वाले थे। इसकी शुरुआत 21 फरवरी को इंदौर से होनी थी।

इन शहरों में होने थे आयोजन : जया किशोरी का डिवाइन कॉन्सर्ट नाम से कथा और भजन का आयोजन इंदौर में 21 फरवरी, फिर जयपुर में 22 फरवरी, लखनऊ में 28 फरवरी, हैदराबाद में 28 मार्च और अहमदाबाद में 29 मार्च को होना था।

मिलने के लिए इस तरह थी टिकट की दरें

जब टिकट बुकिंग शुरू हुई थी, तो टिकट की कीमत 1099 से लेकर 16 हजार 499 रुपए तक थी। आनंद भूमि जोन का टिकट 1099 रुपए, प्रेम रस जोन का 1799 रुपए और भक्ति रस जोन का 2199 रुपए था। अगर भक्ति रस जोन वाले को जया किशोरी से मिलना होता, तो इसके लिए 16 हजार 499 रुपए खर्च करने होते थे।

प्रदेश कांग्रेस का संगठनात्मक मंथन... बदलेगा हाल या फिर वही नूरा-कुश्ती ?

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्य प्रदेश कांग्रेस का तीन दिन का संगठनात्मक मंथन गुटबाजी और पद असंतोष के बावजूद बदलाव की दिशा में कदम बढ़ाने की कोशिश है। बैठक में नियुक्तियों और कामों पर चर्चा हुई। मध्य प्रदेश कांग्रेस में संगठन को मजबूत करने के दावे एक बार फिर सवालों के घेरे में हैं। प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी के नेतृत्व में इंदिरा भवन में लगातार बैठकें हो रही हैं, लेकिन अंदरूनी खींचतान और पदों को लेकर असंतोष अब भी साफ झलक रहा है। तीन दिन के इस संगठनात्मक मंथन से कार्यकर्ताओं को बड़ी उम्मीदें हैं, मगर जमीनी हकीकत अभी भी चुनौतीपूर्ण नजर आ रही है।

सूत्रों के मुताबिक, इंदिरा भवन में एंड्रोमैट की बैठक सुबह 10 बजे शुरू होना तय थी, लेकिन प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी के 1:30 बजे पहुंचने के बाद ही बैठक शुरू हो सकी। समय की कमी के चलते आज एजेंडे में शामिल कई अहम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा नहीं हो पाई, जिन्हें अब कल की बैठक में उठाया जाएगा। इसे लेकर अंदरखाने असहजता भी देखी गई। जब संगठन के महामंत्री संजय कांबले से पूछा गया कि क्या कुछ लोग शिकायतें लेकर आए थे, तो उन्होंने साफ कहा कि कोई स्पेसिफिक या औपचारिक शिकायत सामने नहीं आई है। अलग-अलग जगह से जो लोग आए थे, उन्होंने अपनी-अपनी बातें रखीं। कहीं कोई ब्लॉक अध्यक्ष बनना चाहता है, कहीं किसी को किसी पद की अपेक्षा है। किसी ने कहा कि उसे यह पोस्ट नहीं मिली। फिलहाल इसी तरह की बातें सामने आई हैं। इस बयान से साफ है कि बैठक में असंतोष से ज्यादा पद और जिम्मेदारियों को लेकर अपेक्षाएं सामने आईं। पार्टी के भीतर लंबे समय से चली आ रही खींचतान अब बैठकों के दौरान खुलकर महसूस की जा रही है। हर स्तर पर कार्यकर्ता और नेताअपनी-अपनी दावेदारी रख रहे हैं। हालांकि, नेतृत्व इसे संगठनात्मक संवाद बता रहा है, लेकिन बार-बार उठ रहे पदों के सवाल इस बात की ओर इशारा करते हैं कि कलह अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुई है।

नियुक्तियों पर बनी सहमति

शनिवार को हुई बैठक में संगठन के भविष्य को लेकर एक अहम सहमति बनी। तय किया गया कि प्रदेश और जिला स्तर पर जो भी नियुक्तियाँ होंगी, उनके लिए स्पष्ट समय सीमा तय की जाएगी और उसी समय सीमा में उन्हें पूरा किया जाएगा। नेतृत्व का मानना है कि नियुक्तियों में देरी ही असंतोष और गुटबाजी की सबसे बड़ी वजह बनती है। इसी मुद्दे पर कल भी विस्तार से चर्चा होगी।

सरकार ने की बचाव की रणनीति तैयार

विजय शाह की आज सुप्रीम सुनवाई

नई दिल्ली (एजेंसी) ● कर्नल सोफिया कुरैशी पर विवादित बयान देकर उलझन में फंसे एमपी के मंत्री कुंवर विजय शाह को बचाने के लिए सरकार ने पूरा जोर लगा दिया है। खुद मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव पिछले कुछ दिनों से इस मामले में केंद्रीय नेतृत्व से बात कर रहे हैं।

अब तक वे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन से लेकर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से मुलाकात कर मंत्री को बचाने को लेकर बैठक कर चुके हैं। सीएम के साथ प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल भी दिल्ली दौरे पर जा रहे हैं। केंद्रीय नेतृत्व के कहने पर ही विजय शाह ने चौथी बार सार्वजनिक रूप से मीडिया में कर्नल सोफिया पर दिए गए बयान को लेकर माफी मांगी थी। मंत्री शाह के इस विवादित बयान पर सोमवार यानी 9 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट में अहम सुनवाई है। ऐसा माना जा रहा है की सुनवाई के दौरान मंत्री विजय शाह के

खिलाफ अभियोजन की कार्यवाही किए जाने के प्रश्न पर सुप्रीम कोर्ट फैसला ले सकती है। इधर सरकार ने कोर्ट में अपना पक्ष मजबूती से रखने के लिए रणनीति भी तैयार कर ली है। सूत्रों के अनुसार सरकार हाल फिलहाल इस मामले में दो हफ्ते का समय मांग सकती है। तब तक विजय शाह को इस मामले से निकालने के लिए एग्जिट प्लान बना लिया जाएगा।

शाह का चौथी बार सार्वजनिक रूप से मीडिया में माफी मांगना भी इसी प्लान का हिस्सा बताया जा रहा है। इस माफी में मंत्री शाह ने कहा है कि उनके शब्द किसी को ठेस पहुंचाने के इरादे से नहीं थे और वे देशभक्ति के आवेश में कहे गए। उन्होंने भविष्य में इस तरह की कोई टिप्पणी न करने का भरोसा भी दोहराया है। एक और सरकार मंत्री विजय शाह को इस कानूनी पचड़े से निकालने की रणनीति बना रही है वहीं विपक्ष मंत्री शाह के इस्तीफे की मांग कर रहा है। मंत्री का बयान सेना के अफसर के खिलाफ होने के कारण ये मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचने के बाद अब राजनीतिक नहीं रहा।

- **सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई :** आज, 9 फरवरी को मंत्री विजय शाह के विवादित बयान पर कोर्ट में बड़ी सुनवाई।
- **बचाव की रणनीति :** मोहन यादव सरकार कोर्ट से 2 हफ्ते का समय मांग सकती है।
- **चौथी बार माफी :** विजय शाह ने गिरफ्तारी से बचने के लिए चौथी बार सार्वजनिक माफी मांगी है।
- **विपक्ष का हमला :** कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल मंत्री के इस्तीफे की मांग पर अड़े हुए हैं।
- **एसआईटी की रिपोर्ट :** जांच टीम ने रिपोर्ट सौंप दी है, अब फैसला कोर्ट के पाले में है।

न्यूज ब्रीफ

मुख्यमंत्री ने कूनो राष्ट्रीय उद्यान में 5 शावकों के जन्म पर किया हर्ष व्यक्त

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कूनो राष्ट्रीय उद्यान के चीता परिवार में 5 शावकों के जन्म पर हर्ष व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि श्योपुर स्थित कूनो नेशनल पार्क में वन्य जीव संरक्षण के क्षेत्र में एक और अभूतपूर्व उपलब्धि दर्ज की गई है। मादा चीता आशा ने 5 स्वस्थ शावकों को जन्म दिया है, जिससे भारत के चीता पुनर्स्थापन अभियान को नई मजबूती मिली है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अब भारत में जन्मे चीतों की संख्या बढ़कर 24 हो गई है, जबकि कूनो में कुल चीतों की संख्या 35 तक पहुँच गई है। यह उपलब्धि मध्यप्रदेश को देश में वन्य जीव संरक्षण के एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करती है। इस सफलता का श्रेय समर्पित वन अमले और पशु चिकित्सकों की सतत निगरानी, वैज्ञानिक प्रबंधन और अथक मेहनत को जाता है। कूनो में हो रहा यह सकारात्मक विकास भारत की जैव-विविधता संरक्षण यात्रा में एक मील का पत्थर साबित हो रहा है।

डॉ. यादव ने माता रमाबाई आंबेडकर की जयंती पर किया नमन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने समानता,नारी सशक्तिकरण एवं शिक्षित समाज की प्रणेता माता रमाबाई आंबेडकर की जयंती पर पुण्य स्मरण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि माता रमाबाई ने असमानता, भेदभाव, छुआछूत जैसी सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध दृढ़ता से संघर्ष किया और कमजोर वर्ग के उत्थान का मार्ग प्रशस्त किया।

बोहरा समाज ने वार्ड 73 में सफाई अभियान की शुरुआत की

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● महापौर पुष्यमित्र भार्गव के द्वारा शहर में रेड स्पॉट और थूकने से होने वाली गंदगी को खत्म करने के लिए 'क्लीन रेड स्पॉट' अभियान की शुरुआत की इस अभियान के तहत वार्ड 73 में बोहरा समाज ने नगर निगम के साथ मिलकर रेड स्पॉट की सफाई कर कर इस अभियान की शुरुआत की। वार्ड 73 में पूर्व पार्षद सादिक खान के नेतृत्व में बोहरा समाज ने गुलजार कॉलोनी चौराहे से क्लीन रेड स्पॉट अभियान की शुरुआत की इसके तहत बोहरा समाजजनों ने नगर निगम के साथ मिलकर क्षेत्र के सभी रेड स्पॉट को क्लीन करने का कार्य किया। पश्चात सभी उपस्थित जनों इंदौर में कहीं भी थूकने एवं किसी भी प्रकार की गंदगी न करने की शपथ ली। इंदौर शहर को स्वच्छ रखना मैं अपना योगदान देने की शपथ ली। इस अवसर पर बोरा समाज के वरिष्ठ शेख खुजेमा भाई पेटी वाला, मजहर हुसैन सेठजीवाला जौहर मानपुरवाला बुरहान भाई,शब्बीर भाई सहित अनेक बोहरा समाजजनों एवं रहवासियों ने इस रेट क्लीन स्पॉट अभियान में हिस्सा लिया।

रेंप योजना अंतर्गत प्लास्ट इंडिया 2026 एक्सपोज़र विजिट का आयोजन कल

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश की एमएसएमई एवं स्टार्टअप इकाइयों को नवीन तकनीक, औद्योगिक प्रवृत्तियों एवं राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय बाजार अवसरों से जोड़ने के उद्देश्य से भारत सरकार की रेंप योजना अंतर्गत प्लास्ट इंडिया 2026 एक्सपोज़र विजिट का आयोजन किया जा रहा है। यह अंतरराष्ट्रीय स्तर का औद्योगिक आयोजन 10 फरवरी 2026 तक भारत मंडपम, नई दिल्ली में होगा। इस आयोजन के लिए आज इंदौर विमानतल से 15 उद्योग प्रतिनिधियों के दल ने दिल्ली के लिये प्रस्थान किया। महाप्रबंधक उद्योग श्री स्वप्निल गर्ग ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत प्रदेश की प्लास्टिक, पैकेजिंग एवं मशीनरी सेक्टर से जुड़ी इकाइयों को आधुनिक मशीनरी, तकनीकी नवाचार, उत्पादन प्रक्रियाओं तथा निवेश एवं व्यापारिक नेटवर्किंग के अवसरों की जानकारी प्राप्त होगी।

पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष के नाम से शादी का फर्जी निमंत्रण कार्ड, एपीके फाइल से सायबर ठगी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर में लगातार सायबर ठगी के मामले सामने आ रहे हैं। अब शादी के सीजन में डिजिटल निमंत्रण कार्ड की एपीके फाइल भेजकर सायबर ठगी की बात सामने आई है। इसके लिए इंदौर के पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष सदाशिव यादव के नाम का भी दुरुपयोग किया गया।

इंदौर में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और जिला कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष सदाशिव यादव के नाम से शहरभर में शादी का एक फर्जी निमंत्रण डिजिटली भेजा गया। इस कार्ड में 24 फरवरी 2026 की तारीख लिखी गई थी और लोगों को खासतौर पर आमंत्रित करते हुए एक लिंक भी भेजा गया। ये लिंक एपीके फाइल थी। पुलिस को शक है कि ये सायबर ठगी का मामला हो सकता है, जिसमें लिंक पर क्लिक करते ही लोगों के खातों से पैसे गायब हो जाते हैं।

एपीके यानी एंड्राइड पैकेजिंग किट फाइल, ई-कार्ड इसी से भेजे जा रहे हैं। ये एक एप्लीकेशन कोड है, जिसे खोलने से आपके मोबाइल में वायरस इंस्टॉल हो जाता है, जिससे आपकी सभी जानकारी जैसे बैंकिंग, क्रेडिट कार्ड, और वाट्सअप चैट हैक हो जाती हैं। ये एपीके फाइल आरोपियों को आपके मोबाइल

का एक्सेस दे देती है। इन फाइल के जरिए इंदौर में एक जगह फोटो को अश्लील बनाकर ब्लैकमेल किया गया, वहीं दूसरी जगह रिश्तेदार बनकर पैसे मांगे गए।

नेता ने की ये शिकायत-जैसे ही सदाशिव यादव को इस फर्जी निमंत्रण के बारे में जानकारी मिली, उन्होंने तुरंत सोशल मीडिया के जरिए इसे फर्जी करार दिया। उन्होंने बताया कि उनका मोबाइल या सोशल मीडिया अकाउंट हैक कर लिया गया है।

उन्होंने सभी रिश्तेदारों, दोस्तों और परिचितों से अपील की है कि इस निमंत्रण पत्र और उससे जुड़े किसी भी लिंक को न खोलें। सदाशिव यादव ने इस पूरे मामले की शिकायत संबंधित थाने में दर्ज कराई है और साइबर अपराध का शक जताया है।

दो दिन में दर्जन भर लोगों के मोबाइल हैक-शादी के फर्जी निमंत्रण कार्ड से धोखाधड़ी (शादी का कार्ड एपीके फाइल) के दो दिन के अंदर ही इंदौर में दर्जन भर मामले सामने आ चुके हैं। एडिशनल डीसीपी क्राइम राजेश दंडोतिया ने कहा कि ऐसी शिकायतें आ रही हैं। उन्होंने सभी को सचेत किया है कि अनजान नंबर से आई लिंक पर क्लिक न करें और खासकर एपीके फाइल से दूर रहें। इंदौर में पहले भी इसी फाइल के जरिए लोगों को भारत-न्यूजीलैंड के बीच मैच के टिकट का लिंक भेजा गया था, जिसमें भी ठगी हुई थी।

इस तरह से बच सकते हैं-दंडोतिया ने बताया कि मोबाइल में अनजान नंबर से आई फाइल बिल्कुल न खोलें। इसके अलावा, कोई भी ऐप सिर्फ ऑफिशियल स्टोर से ही डाउनलोड करें। ऐप की सेटिंग और रिव्यू भी चेक कर लें। मोबाइल में एंटीवायरस सॉफ्टवेयर इंस्टॉल करें और इसे समय-समय पर अपडेट करते रहें।

शैक्षिक ओलंपियाड में लसुड़िया मोरी स्कूल से आदर्श वर्मा का चयन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा आयोजित जिला स्तरीय शैक्षिक ओलंपियाड परीक्षा में एकीकृत शासकीय हाईस्कूल लसुड़िया मोरी में अध्ययनरत कक्षा 8वीं के छात्र आदर्श वर्मा का चयन होने से विद्यालय परिवार ने हर्ष जताया है।

संस्था के खेल प्रभारी शिक्षक एवं शासकीय शिक्षक संगठन मध्यप्रदेश के प्रदेश प्रवक्ता दिनेश परमार ने बताया कि प्रदेश के समस्त शासकीय प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत कक्षा 2 से 8 वीं तक के विद्यार्थियों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा, बौद्धिक विकास एवं शैक्षिक उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शैक्षिक ओलंपियाड परीक्षा का आयोजन किया गया था, जिसमें हमारे विद्यालय के कक्षा 8वीं के विद्यार्थी आदर्श वर्मा का दो विषयों (विज्ञान व

गणित) में चयन होकर जिला स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। छात्र की इस उपलब्धि पर प्राचार्य भूषण सराफ,शिक्षक दिनेश परमार, प्राची गुप्ता, गीता भदौरिया,ज्योति रोड़े, अंजली नायक, स्मिता तपासे, राकेश गेहलोद, सुरक्षा मिश्रा,शिल्पा जोशी, कविता टाटावत,भारती सिंह, सारिका सोलंकी आदि ने छात्र को शुभाशीष देते हुए सम्मान किया।

आजाद अध्यापक शिक्षक संघ ने 20 सूत्रीय मांगों को लेकर दिया ज्ञापन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● आज दिनांक 08 फरवरी 26 को मध्यप्रदेश के सभी जिलो मे आजाद अध्यापक शिक्षक संगठन के प्रांतीय आवाह्न पर विभिन्न मांगो को लेकर इन्दौर जिला इकाई द्वारा प्रांतीय नेतृत्व कर्ता प्रदेश उपाध्यक्ष श्री के के आर्य, प्रदेश संगठन मंत्री श्री गोपाल कुमरावत, सह संगठन मंत्री श्री बर सिंह भूरिया जी के नेतृत्व मे जिला अध्यक्ष अमरीष शर्मा जी द्वारा सयुंक्त संचालक लोकशिक्षण संचालनालय सम्भाग इन्दौर में सहायक संचालक श्रीमती किरण बाला चौहान मैडम को 20 सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा गया ।जिसमें प्रमुख मांग अध्यापक शिक्षक संवर्ग को नियुक्ति दिनांक से सेवा अवधि की गणना कर वरिष्ठता का लाभ प्रदान किया जाकर पुरानी पेंशन लागू की जाए एवं ई अटेंडेंस व्यवस्था को बंद किया जाए अथवा इसे विभाग के सभी कर्मचारियों अधिकारियों पर समान रूप से लागू किया जाए।आज के ज्ञापन का वाचन श्रीमती रश्मि शुक्ला मैडम ने किया और आभार संगठन के वरिष्ठ प्रदेश सह संगठन मन्त्री बरसिंह भूरिया ने माना।

लव जिहाद को बढ़ावा देने का आरोपः बजरंग दल ने होटल नमन पैलेस पर जताई आपत्ति, पुलिस ने की जांच

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● शहर में लव जिहाद को बढ़ावा देने के आरोपों के बीच आजाद नगर थाना क्षेत्र स्थित होटल नमन पैलेस का मामला सामने आया है। बजरंग दल ने आरोप लगाया कि होटल में लगातार संदिग्ध गतिविधियां चल रही थीं और बिना वैध पहचान पत्र के युवतियों व अन्य व्यक्तियों को ठहराया जा रहा था, जो सुरक्षा के लिहाज से गंभीर लापरवाही है।

बजरंग दल को मिली सूचना के आधार पर पूरे मामले की जानकारी पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही आजाद नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और होटल की जांच की। जांच के दौरान एंट्री रजिस्टर में

अनियमितताएं पाए जाने पर पुलिस ने रजिस्टर जब्त कर लिया। होटल संचालक और स्टाफ को नियमों के पालन को लेकर सख्त हिदायत दी गई।

थाना प्रभारी लोकेश भदौरिया ने स्पष्ट किया कि होटल संचालन से जुड़े नियमों का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और जांच के आधार पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने होटल प्रबंधन को भविष्य में बिना पहचान पत्र किसी को भी ठहराने पर सख्त कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है। बजरंग दल ने मांग की है कि जो भी संस्थान लव जिहाद को बढ़ावा देने का कार्य कर रहे हैं, उनके खिलाफ सतत और कठोर कार्रवाई की जाए। संगठन का कहना है कि इस तरह की गतिविधियां सामाजिक सौहार्द और सुरक्षा व्यवस्था दोनों के लिए खतरा हैं। मौके पर बजरंग दल के जगन्नाथ जिला पदाधिकारी सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। पुलिस ने मामले की जांच जारी रखने और नियमों के उल्लंघन पर कठोर कदम उठाने का भरोसा दिलाया है।

खजराना मंदिर परिसर में सुंदरकांड का पाठ सम्पन्न

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● खजराना मंदिर इन्दौर में संगीतमय सुंदरकांड का पाठ परम पूज्य गुरुदेव आश्विन कुमार पाठक के मुखारविंद खजराना गणेश मंदिर प्रवचन हाल में संपन्न हुआ । प्रसिद्ध गुरु जी पाठक जी ने अभी तक 9 हजार पांच सो तीस पाठ कर पूरे देश में नि शुल्क कर चुके हैं। आज इन्दौर में खजराना गणेश जी के दर्शन भी उन्होंने किये। इस में मुख्य रूप से पवार लिफ्टिंग एसोसिएशन, मध्यप्रदेश प्रदेश जिम ऑनर एसोसिएशन, श्री राम स्पोर्ट्स ग्रुप, खजराना लड्डू व्यापारी एसोसिएशन व

शालीग्राम व्यामशाला के सदस्यगण व मातृशक्ति उपस्थित रही । खेड़ापति हनुमान जी महाराज व खजराना गणेश जी के आशीष से कार्यक्रम संपन्न हुआ। यहां उपरोक्त जानकारी समाजिक कार्यकर्ता रामेश्वर चौहान व स्वतंत्र लेखक हरिहर सिंह चौहान ने संयुक्त रूप से प्रेस विज्ञप्ति में दी है।

इंदौर। इंदौर के रवींद्रनाथ ग्रह में दामोदर समाज का युवक युवती परिचय सम्मेलन हुआ इस अवसर पर समाज की पुस्तक का भी विमोचन हुआ यह जानकारी अध्यक्ष नरेंद्र बजाज सचिव रमेश चंद्र परमार और सुरेश परमार ने दी।

शिवाजी जयंती पर तीन दिवसीय महोत्सव होगा अयोजित

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● छत्रपति शिवाजी महाराज की 396 वीं जयंती पर क्षत्रिय मराठा नवनिर्माण सेना द्वारा तीन दिवसीय महोत्सव 17 फरवरी से अयोजित होगा जिसमे स्वच्छता अभियान, दीप प्रज्वलन,आतिशबाजी, शौर्य यात्रा सहित अन्य आयोजन होंगे। इसको को लेकर समाजजनों की बड़ी बैठक आयोजित की गई। प्रदेश अध्यक्ष चंद्रकांत कुंजीर व मिलिंद दिघे ने बताया कि क्षत्रिय मराठा नवनिर्माण सेना द्वारा आयोजित तीन दिवसीय महोत्सव में 17 फरवरी को सुबह छत्रपति शिवाजी महाराज प्रतिमा स्थल पर साफ सफाई करेंगे।

वीरांगना झलकारीबाई की प्रतिमा के लिए कोली समाज लड़ेगा आर-पार की लड़ाई

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक राजधानी इन्दौर में स्वतंत्रता संग्राम की अमर शहीद नायिका वीरांगना झलकारीबाई की प्रतिमा लगाने के लिए अखिल भारतीय वीरांगना झलकारी महासंघ विगत 29 साल से प्रयासरत है, वहीं कोली/कोरी समाज के दो संगठन भी प्रतिमा के लिए कुछ वर्षों से प्रयास कर रहे हैं, तीनों ही संगठनों ने प्रतिमा के लिए महापौर को आवेदन दिए हैं। लेकिन तीनों में आम सहमति नहीं बन पाने के कारण महापौर द्वारा की घोषणा ठंडे बस्ते में नजर आ रही है। ऐसे में आज महासंघ द्वारा होलकर छत्री फुट मार्केट स्थित शिव मंदिर पर समाज के विभिन्न संगठनों की बैठक आहुत की गई, जिसमें दो गुट शामिल नहीं हुए। बैठक में तीनों संगठनों में आम सहमती बनाने के लिए कोरी/कोली समाज महापंचायत को अधिकृत किया गया, जबकि झलकारीबाई के बलिदान दिवस को परम्परागत रूप से महासंघ को मनाने की जवाबदारी सौंपी गई। महासंघ 5 अप्रैल को प्रदेश स्तरीय अलंकरण समारोह आयोजित करेगा, जिसमें समाज की 5 उत्कृष्ट समाजसेवी महिलाओं को वीरांगना झलकारी अलंकरण से अलंकृत किया जाएगा। महासंघ के आव्हान पर समाज के विभिन्न समूहों के प्रमुखों की बैठक कोरी/कोली समाज महापंचायत के संरक्षक कैलाशचंद चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

सामुदायिक अध्यक्षता केंद्र की समीक्षा बैठक मप्र न्यायमूर्ति विजय शुक्ला द्वारा सम्पन्न हुई

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● सामुदायिक अध्यक्षता केंद्र की समीक्षा बैठक इंदौर मध्य प्रदेश में न्यायमूर्ति विजय कुमार शुक्ला प्रशासनिक न्यायाधिपति मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय खंडपीठ इंदौर के द्वारा जिले के सभी 27 समाज समूहों के प्रशिक्षित सामुदायिक माध्यमों के साथ संवाद एवं सामुदायिक मध्यस्ता कार्यक्रम की समीक्षा बैठक 6 फरवरी 2026 शुक्रवार को इंदौर मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय खंडपीठ के कांफ्रेंस हॉल में बैठक रखी गई डॉ . शमीम ने बताया कि कोरी / कोली समाज 11 समूह का निर्णायक मंच पंचायत के पंचों द्वारा पंचायत के माध्यम से फर्श पर बैठकर समझौते से समाधान का निर्णय किया जा रहे हैं ।अपने सभी इंदौर समुदाय केंद्र के सदस्यों द्वारा किए गए कार्यों की उपलब्धियों की जानकारी पर प्रकाश डाला तथा आगामी कार्य योजनाओं पर भी चर्चा की गई।

रैपिडो के साथ ओला-उबर भी चल रहे बिना लाइसेंस

जांच में खुली सभी ऐप टैक्सी कंपनियों की पोल, नोटिस देने की कर रहे तैयारी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● रैपिडो बाइक चालक द्वारा नाबालिग के साथ दुष्कर्म की घटना के बाद शहर में ऐप आधारित टैक्सी सेवाओं को लेकर मचे हंगामे के बीच बड़ा खुलासा हुआ है। परिवहन विभाग की जांच में सामने आया आया है कि इंदौर में बाइक, ऑटो और कार टैक्सी सेवा देने वाली किसी भी कंपनी के पास वैध लाइसेंस नहीं है। रैपिडो ही नहीं, बल्कि ओला, उबर और जुगनू जैसी सभी ऐप टैक्सी कंपनियां बिना अनुमति के सेवाएं संचालित कर रही हैं।

परिवहन विभाग अब इस मामले में सभी कंपनियों को नोटिस जारी करने की तैयारी में है। तय समय में नियमों का पालन नहीं किया गया तो इन कंपनियों की सेवाएं बंद की जा सकती हैं।

परिवहन विभाग के मुताबिक मोटर व्हीकल एक्ट के तहत वर्ष 2020 में लागू एग्रीगेटर पॉलिसी के अनुसार इस तरह की सेवा देने वाली हर कंपनी को केंद्र, राज्य और जिले स्तर पर आरटीओ से ट्रेड लाइसेंस लेना अनिवार्य है। एआरटीओ अर्चना मिश्रा ने बताया कि शुरुआत में कुछ कंपनियों ने इंदौर में लाइसेंस लिए थे, लेकिन वे सभी एक्सपायर हो चुके हैं और किसी भी कंपनी ने उनका नवीनीकरण नहीं कराया। वर्तमान में इंदौर में एक भी ऐप टैक्सी कंपनी नियमों के अनुसार संचालित नहीं हो रही है।

उन्होंने बताया कि एग्रीगेटर पॉलिसी के तहत जुड़ी सभी गाड़ियों का कमर्शियल रजिस्ट्रेशन, फिटनेस और परमिट होना जरूरी है। ऑटो और कार के मामलों में तो नियमों का पालन हो रहा है, लेकिन बाइक टैक्सी में बड़ी संख्या में निजी गाड़ियां ही चलाई जा रही हैं, जो नियमों का सीधा उल्लंघन है। इसके साथ ही ऐप से जुड़े सभी चालकों का पुलिस सत्यापन भी अनिवार्य है।

अधिकारियों ने यह भी बताया कि केंद्र सरकार ने पिछले साल निजी वाहनों को टैक्सी के रूप में चलाने को लेकर छूट दी थी, लेकिन इसके लिए राज्यों को अलग नीति बनाने की छूट दी गई है। कई राज्यों ने इस आधार पर नियम बना लिए हैं, लेकिन मध्यप्रदेश में अब तक नई नीति लागू नहीं होने के कारण निजी वाहनों को टैक्सी के रूप में चलाने की अनुमति नहीं है। दिलचस्प बात यह है कि रैपिडो का विरोध कर रहे अधिकांश ऑटो चालक खुद भी ओला, उबर और रैपिडो जैसे ऐप से जुड़े हुए हैं और इन्हीं प्लेटफॉर्म के माध्यम से सवारियां ढो रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि गुरुवार को नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर परिवहन विभाग ने 12 रैपिडो बाइकों को जब्त किया था। इसके बाद कई रैपिडो चालक आरटीओ कार्यालय पहुंचे और अधिकारियों से मुलाकात की। चालकों का कहना है कि वे सभी नियमों का पालन करने और अपनी गाड़ियों को कमर्शियल रजिस्ट्रेशन कराने के लिए तैयार हैं। एआरटीओ मिश्रा ने स्पष्ट कहा कि सबसे पहले कंपनी को आरटीओ से लाइसेंस लेना होगा, उसके बाद ही चालकों को जोड़ा जा सकेगा।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, सोमवार 09 फरवरी 2026

उद्यान विभाग ने पेड़ की लकड़ियों को अधिकारियों ने बेच दिया

नगर निगम ने अब राशि जमा करने का दिया आदेश

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● नगर निगम के उद्यान विभाग में एक और बड़ा भ्रष्टाचार उजागर हुआ है। इसमें अफसरों ने विद्या नगर कॉलोनी के बगीचे के पेड़ों की लकड़ियों को बाले-बाले बेच डाला है। इससे मिली हजारों रुपए की राशि को भी अफसरों ने नगर निगम के कोषालय में जमा कराने के बजाय खुद की जेब में डाल लिया है। इसका खुलासा तो तब हुआ, जब इसकी शिकायत सीएम हेल्पलाइन पर की गई। उसके बाद वरिष्ठ अफसरों ने भी दिखावे की कार्रवाई करते हुए दोषी उद्यान अधिकारियों को लकड़ी के बराबर मूल्य की राशि निगम कोषालय में जमा करवाने के आदेश दिए हैं।

नगर निगम के उद्यान विभाग कार्यालय से हाल ही में एक पत्र जारी किया गया है। उसके अनुसार सीएम हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराई गई थी, जिसमें शिकायतकर्ता आसिम असद ने आरोप लगाया था कि जोन क्रमांक 13 के वार्ड 74 स्थित विद्या नगर उद्यान में आंधी तूफान से गिरे बड़े पेड़ों की लकड़ी को सिटी फॉरेस्ट में जमा नहीं कराया गया, बल्कि उसे अन्य स्थान पर भेज दिया गया। सूत्रों के मुताबिक उक्त लकड़ी को अफसरों ने बालेझबाले बेच डाला। विभाग से जो पत्र जारी किया गया है, उसमें इस बात का कोई उल्लेख नहीं है कि लकड़ी का वजन कितना था, वह कौन से पेड़ों की लकड़ियां थीं और बाजार मूल्य के मुताबिक उसकी राशि कितनी थी।

शिकायत में सही मिली जानकारी

शिकायत के संबंध में अपर आयुक्त उद्यान द्वारा जांच कराई गई। जांच के बाद यह तथ्य सामने आया कि गिरे हुए पेड़ों की लकड़ियों का विधिवत निपटान नहीं किया गया। इसके बाद अपर आयुक्त उद्यान ने प्रकरण में संबंधित लकड़ियों के वजन के अनुसार उनकी बाजार मूल्य की राशि नगर निगम कोषालय में जमा कराने के निर्देश जारी किए। उद्यान विभाग ने सहायक उद्यान अधिकारी राहुल वर्मा और जोन 13 के प्रभारी दरोगा सौरभ शर्मा को पत्र जारी कर तत्काल उक्त लकड़ियों की बाजार मूल्य राशि निगम कोषालय में जमा कर उसकी पावती विभाग में प्रस्तुत करने को कहा है। पत्र में यह भी लिखा है कि यदि तय समय में राशि जमा नहीं की गई तो संबंधितों पर कार्रवाई की जाएगी।

बरलाईजागीर में बनेगी अहिल्या गारमेंट सिटी, 30 हजार लोगों को मिलेगा रोजगार

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर / सांवेर ● जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने बरलाईजागीर में बनने वाली अहिल्या गारमेंट सिटी के विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस परियोजना को तय समय-सीमा में पूरा किया जाए। अहिल्या गारमेंट सिटी लगभग 44 करोड़ रुपये की लागत से 33 हेक्टेयर क्षेत्र में स्थापित होगी। इसमें करीब 30 हजार लोगों को रोजगार मिलेगा और लगभग 2500 करोड़ रुपये का निवेश होगा। मंत्री सिलावट ने बताया कि इस परियोजना से क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियाँ बढ़ेंगी और स्थानीय लोगों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। यहाँ पर अमेज़न, अरविंद लिमिटेड और नोइज जीन्स लिमिटेड जैसी बड़ी कंपनियाँ अपने कारखाने लगाएंगी। वस्त्र निर्माण और लॉजिस्टिक्स की सुविधाएँ भी उपलब्ध होंगी। मंत्री सिलावट ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गारमेंट सिटी में कारखानों के साथ-साथ श्रमिकों के लिए आवास, पुलिस स्टेशन, अस्पताल, अग्निशमन केंद्र, पार्किंग, स्कूल, खेल परिसर और अन्य ज़रूरी व्यवस्थाएँ समय पर तैयार की जाएँ। उन्होंने कहा कि आगामी सिंहस्थ महापर्व 2028 को ध्यान में रखते हुए सभी काम तय समय में पूरे किए जाएँ।

नशे के ख़िलाफ़ एकजुट हुए इंदौर के हजारों युवा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● टीम आरजीएस द्वारा आज रुद्राक्ष गोलू शुक्ला के नेतृत्व में नशे के ख़िलाफ़ हजारों युवाओं की यूथ वॉक निकाली गई। वॉक में विश्व हिन्दू परिषद मालवा प्रांत के संगठन मंत्री खगेंद्र भार्गव, विधायक गोलू शुक्ला, एमआईसी सदस्य मनीष शर्मा मामा, दीपेन्द्र सिंह सोलंकी, पार्षद सुरेश टाकलकर, रूपाली अरुण पेंढारकर, भावना चौधरी, रुपा दिनेश पांडे, गजानंद गावड़े, पंखुडी डोसी, मृदुल अग्रवाल, बंटी वर्मा, आशीष शर्मा, रितेश वीरांग सहित बड़ी बड़ी संख्या में युवा उपस्थित थे। उन्होंने नशा ना करने का साथ ही अपने आसपास नशे के आदी युवाओं को नशा छुड़वाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर विश्व हिन्दू परिषद मालवा प्रांत संगठन मंत्री खगेंद्र भार्गव ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसके युवा है। हमारी आधी से ज्यादा आबादी युवा है, युवाओं के बल पर हम पुन: विश्व गुरु बनने की और अग्रसर है, लेकिन कुछ अन्तर्राष्ट्रीय ताकतें भारत को महाशक्ति बनने से रोकना चाहती है, इसलिए वे ताकतें षड्यंत्रपूर्वक हमारी युवा शक्ति को नशे का आदी बनाकर, नशे में धकेलकर भारत के बढ़ते

कदमों को रोकना चाहती है। उन्होंने कहा हनुमानजी को भी जब अपनी शक्ति का बोध हुआ तब उन्होंने जय श्रीराम का नारा दिया था। हमें अपनी ताकत को पहचानना होगा। हमारे युवाओं की गर्जना नशे में दबनी नहीं चाहिए। जो सामर्थ्य हमारे पास है। सही जगह इस्तेमाल करें। नशे के मामले में चौकाने वाली बातें आ रही हैं। हर पांचवा युवा इसकी गिरफ्त में आ रहा है। फिल्मों में भी गलत तरीके से बताया जाता है कि युवा नशे में हैं।

सांध्य दैनिक इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता

5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

ब्रह्मलीन महामंडलेश्वर लक्ष्मण दास महाराज की स्मृति में आयोजन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● पंचकुइया स्थित श्रीराम मंदिर आश्रम में सृष्टि ग्रुप एवं सत्यम साक्षी समाज सेवा संस्थान द्वारा सामाजिक समरसता की मिसाल पेश करते हुए 11 जोड़ों का निशुल्क सामूहिक विवाह समारोह श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ संपन्न हुआ। यह आयोजन ब्रह्मलीन महामंडलेश्वर श्री लक्ष्मण दास महाराज की स्मृति में किया गया, जिसका यह सातवां वर्ष रहा। संस्था की अध्यक्ष श्रीमती सीमा सेन एवं रीटा राठी ने बताया कि विवाह समारोह की शुरुआत गौ माता को छप्पन भोग अर्पित कर की गई। इसके उपरांत आचार्य पंडितों की उपस्थिति में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ सभी धार्मिक विधियां संपन्न कराई गईं। दूल्हा-दुल्हनों ने एक-दूसरे को वरमाला पहनाई, हवन-पूजन किया और सात फेरे लेकर जीवनभर के लिए परिणय सूत्र में बंधे। सीमा सेन ने बताया कि इस पूरे आयोजन की विशेष बात यह रही कि इसकी संपूर्ण जिम्मेदारी समिति की महिला सदस्यों ने संभाली। समाज के जरूरतमंद वर्ग के लिए यह आयोजन केवल विवाह नहीं, बल्कि आत्मसम्मान और संस्कारों का उत्सव है। समारोह में श्रीराम मंदिर पंचकुइया के पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर श्री राम गोपाल दास महाराज, पवन दास महाराज सहित अनेक संत-महंतों ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद प्रदान किया।

भोपाल की ताल के चौपाल से

साहब की मौज पर आयोग ने लगाया ब्रेक, दो मैडमों में कोल्डवॉर और वो खाकी वाले साहब!

बोल हरि बोल

हरीश दिवेकर

मध्य प्रदेश की सत्ता और ब्यूरोक्रेसी के गलियारों में हलचल तेज है। चुनाव आयोग की सख्ती, विंध्य में महिला अफसरों का पुराना विवाद और नेताओं की तुनकमिजाजी ने सियासी पारे को गरमा दिया है। आज के बोल हरि बोल में पढ़िए इन घटनाओं के बारे में विस्तार से... सत्ता, सिस्टम और सियासत के गलियारों में जो दिखता है, असली कहानी अक्सर उससे अलग होती है। ऊपर से सब कुछ मैनेज नजर आता है, लेकिन अंदरखाने कई परतों में हलचल चलती रहती है। अब देखिए ना, विंध्य में तैनात दो सीनियर महिला पुलिस अफसरों में कोल्ड वॉर चल रहा है। यह कभी भी सामने आ सकता है। इधर, चुनाव आयोग ने अफसरों की 'मौज' पर ब्रेक लगा दिया है। उधर, कुछ अफसर चुनावी ड्यूटी को लेकर टेंशन में हैं।खैर, देश-प्रदेश में खबरें तो और भी बहुत हैं, आप तो सीधे नीचे उतर आईए और वरिष्ठ पत्रकार हरीश दिवेकर के लोकप्रिय कॉलम क्ब्भ्द्य ।।ड्डह्द्ध क्ब्भ्द्य के रोचक किस्सों का आनंद लीजिए।

तुनकमिजाजी से परेशानी!

सत्तारूढ़ दल अपने नेताओं के तेवरों से परेशान है। माननीयों की तुनकमिजाजी बार-बार मुश्किल खड़ी कर रही है। पहले से एक मंत्री जी पर कार्रवाई की तलवार लटकी हुई है, ऐसे में एक और मंत्री जी का वीडियो वायरल हो गया है, जिसमें वे लाड़ली बहनों को धमकाते हुए नजर आ रहे हैं। यह मामला जैसे ही संगठन तक पहुंचा, तुरंत डैमेज कंट्रोल मोड ऑन हो गया। ऊपर के आदेश पर मंत्री जी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सफाई दी, लेकिन यहीं कहानी में ट्विस्ट आ गया। सफाई देते-देते मंत्री जी ने अफसरों पर भ्रष्टाचार का ठप्पा लगा दिया। बोले, मैंने कई तहसीलदार सस्पेंड कर दिए हैं। रिश्वत लेने वाला जनता का भरोसा तोड़ता है। उनका कहना था कि बेईमानी पद देखकर नहीं बदलती, चाहे मंत्री हो, अफसर हो या कर्मचारी।

साहब का नया अंदाज...

खाकी के गलियारों में एक साहब का नया अंदाज खूब सुर्खियां बटोर रहा है। साहब अब थोड़ा क्रिएटिव मूड में दिख रहे हैं। चर्चा है कि उनकी पहल पर शानदार पॉडकास्ट स्टूडियो तैयार कराया गया है। मजेदार बात यह रही कि उद्घाटन के मौके पर रिबन काटने के बाद साहब खुद ही एंकर की कुर्सी पर बैठ गए और आए हुए अतिथियों के इंटरव्यू लेने लगे। अफसरों के बीच साहब के नए स्टाइल को लेकर खूब चर्चा है। कुछ लोग इसे आधुनिक सोच बता रहे हैं, तो कुछ इसे इमेज मेकओवर की नई रणनीति मान रहे हैं। वैसे भी साहब पहले से सोशल मीडिया फ्रेंडली हैं। अब पॉडकास्ट वाले इस नए अवतार ने कहानी में नया मसाला डाल दिया है। लोग यह भी कह रहे हैं कि आने वाले समय में साहब और नए प्रयोग करते दिख सकते हैं।

शेयर करो घोटाले के प्रमाण

सूबे की सियासत में बजट सत्र से पहले पारा चढ़ता दिख रहा है। सत्ता और विपक्ष दोनों अपने-अपने तरीके से चालें चल रहे हैं, लेकिन इस बार विपक्ष ने थोड़ा अलग रास्ता चुना है। प्रतिपक्ष ने सीधे जनता से जुड़ने का नया फॉर्मूला निकाला है। उन्होंने एक खास वॉट्सएप नंबर और ई-मेल आईडी जारी कर लोगों से खुलकर बात करने की अपील की है। सियासी गलियारों में इसे बड़े दांव के तौर पर देखा जा रहा है। चर्चा है कि विपक्ष अब जमीन से सीधे इनपुट जुटाकर सरकार को घेरने की तैयारी में है। लोगों से कहा गया है कि यदि उनके पास भ्रष्टाचार, माफिया राज, सरकारी लापरवाही या भर्ती घोटालों से जुड़े कोई भी दस्तावेज या सबूत हैं तो वे सीधे शेयर करें। अब सबकी नजर इस बात पर है कि जनता कितना रिस्पॉन्स देती है और सियासी पिच पर इसका असर कितना बड़ा दिखता है।

दो महिला अफसरों में कोल्डवॉर...

बघेलखंड में पदस्थ दो सीनियर महिला पुलिस अधिकारियों के बीच चल रही खामोश टक्कर चर्चा का विषय बनी हुई है। अंदरखाने से खबर है कि दोनों के बीच कोल्डवॉर अब अपने पीक पर पहुंच गया है और कभी भी खुलकर सामने आ सकता है। सिस्टम से जुड़े लोग भी इस टकराव पर नजर बनाए हुए हैं, क्योंकि मामला सिर्फ प्रोफेशनल मतभेद तक सीमित नहीं माना जा रहा। दोनों महिला अफसरों के बीच यह अदावत नई नहीं, बल्कि एक दशक पुरानी है। तब भी दोनों एक जिले में पदस्थ थीं और हालात इतने बिगड़ गए थे कि बात झूमाझटकी तक पहुंच गई थी। उस पुराने अध्याय के बाद अब फिर दोनों आमने-सामने हैं, जिससे हलचल तेज हो गई है।

मौज पर आयोग का ब्रेक!

देश जैसे-जैसे चुनावी मोड की तरफ बढ़ रहा है, वैसे-वैसे प्रशासनिक गलियारों में भी हलचल तेज हो गई है। पांच राज्यों में प्रस्तावित चुनावों को लेकर इलेक्शन कमीशन अलर्ट मोड में नजर आ रहा है। हाल ही में देशभर के ऑब्जर्वर बनाए गए अफसरों की दिल्ली में बड़ी बैठक हुई है। इसमें मध्यप्रदेश के भी 55 अफसर शामिल हुए। इस बैठक की सबसे ज्यादा चर्चा इसकी सख्त हिदायतों को लेकर हो रही है। दरअसल, आयोग तक लगातार शिकायतें पहुंच रही थीं कि कुछ अफसर चुनावी राज्यों में ऑब्जर्वर बनकर जाते हैं और साथ में परिवार या खास लोगों को भी ले जाते हैं। वहां शॉपिंग, पार्टियों और दूसरी मौज-मस्ती होती है। इन सबका हजारों लाखों रुपए का बिल आखिर में स्थानीय तहसीलदार और पटवारियों पर डाल दिया जाता था। अब आयोग ने सख्त हिदायत दी है कि यह सब बिल्कुल नहीं चलेगा। अफसर परिवार को साथ नहीं ले जा सकेंगे। शॉपिंग और पार्टी कल्चर पर भी ब्रेक रहेगा। साथ ही रिपोर्टिंग रोजाना करनी होगी।

चुनावी ड्यूटी और टेंशन

चुनावी सीजन करीब आते ही इलेक्शन कमीशन फुल तैयारी मोड में आ गया है। देशभर में अफसरों की ट्रेनिंग चल रही है, ड्यूटी चार्ट तैयार हो रहे हैं और हर स्तर पर ब्रीफिंग का दौर जारी है। इन सबके बीच एक खास चर्चा अफसरों के बीच तेजी से तैर रही है। बताया जा रहा है कि आयोग ने इस बार के चुनाव में कुछ जगहों पर तनाव व संभावित हिंसा की आशंका जताई है और अधिकारियों को अलर्ट रहने की सख्त हिदायत दी है। बस, इसी चेतावनी के बाद कई अफसरों के बीच यह चर्चा है कि उनकी ड्यूटी कहीं ऐसे राज्यों में न लग जाए, जहां चुनाव के दौरान हालात ज्यादा तनावपूर्ण रहते हैं। खासतौर पर पश्चिम बंगाल का नाम बातचीत में सबसे ज्यादा लिया जा रहा है, जहां चुनावी माहौल अक्सर गर्म माना जाता है। अंदरखाने खबर है कि कुछ आईएएस अधिकारियों में वहां पोस्टिंग को लेकर हल्की टेंशन भी बनी हुई है।

मप्र श्रमजीवी पत्रकार संघ द्वारा संगठन विस्तार के अंतर्गत नई नियुक्तियाँ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ द्वारा संगठन विस्तार के अंतर्गत नई नियुक्तियाँ की गईं। प्रांतीय अध्यक्ष शलभ भदोरिया, प्रदेश महासचिव सत्यनारायण वैष्णव, संभागीय अध्यक्ष आलोक अकेला, महासचिव डॉ. पंकज बिर्माल, संभागीय उपाध्यक्ष अनिल पटेल, जिला अध्यक्ष बृजेश जोशी एवं जिला महासचिव विनोद शर्मा की अनुशंसा पर युक्ति की जिला उपाध्यक्ष पद पर धर्मेंद्र सोलंकी, सचिव पद पर संजय चौधरी तथा संयुक्त सचिव पद पर कृष्ण पाल सिंह राठौड़ की नियुक्ति की गई। नियुक्तियों की घोषणा के बाद संगठन के साथियों ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। सभी ने आशा जताई कि नवनियुक्त पदाधिकारी संगठन की मजबूती, पत्रकार हितों की रक्षा तथा सामाजिक सरोकारों को आगे बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

सम्पादकीय

रूस से तेल या अमेरिका से व्यापार की राह, भारत के नए समझौते की अग्निपरीक्षा

भारत और अमेरिका ने पिछले वर्ष फरवरी में प्रस्तावित व्यापार समझौते पर पहले चरण की बातचीत शुरू की थी। कई दौर की वार्ता के बाद भी दोनों पक्षों के बीच कुछ मसलों पर आम सहमति नहीं बन पाई, जिनमें भारतीय कृषि और डेयरी बाजार में अमेरिका की पहुंच को विस्तार देने का मुद्दा भी शामिल था। पिछले करीब एक वर्ष से गहन विचार-विमर्श के बाद भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते पर आखिरकार द्विपक्षीय सहमति बन गई है। दोनों देशों की ओर से शनिवार को इसका एलान किया गया। समझौते के नियम-शर्तों के तहत अमेरिका, भारतीय वस्तुओं पर शुल्क को घटाकर अठारह फीसद करेगा। वहीं, भारत की ओर से अमेरिका की सभी औद्योगिक वस्तुओं और खाद्य एवं कृषि उत्पादों की एक विस्तृत शृंखला पर आयात शुल्क समाप्त या कम किया जाएगा। निश्चित रूप से यह समझौता दोनों देशों के लिए फायदेमंद होगा, लेकिन नफा-नुकसान का पलड़ा किस ओर भारी रहेगा, इसको लेकर अलग-अलग विश्लेषण सामने आए हैं। ऐसे में कुछ आशंकाएं और सवाल भी उठ रहे हैं कि इस समझौते को आकार देने में अड़चन कहां थी और अब ऐसा क्या हुआ कि दोनों पक्ष इसके लिए राजी हो गए। हालांकि, इस मामले में भारतीय सत्तापक्ष की ओर से स्थिति स्पष्ट करने की कोशिश की गई है, लेकिन विपक्ष इससे सहमत नहीं है। भारत और अमेरिका ने पिछले वर्ष फरवरी में प्रस्तावित व्यापार समझौते पर पहले चरण की बातचीत शुरू की थी। कई दौर की वार्ता के बाद भी दोनों पक्षों के बीच कुछ मसलों पर आम सहमति नहीं बन पाई, जिनमें भारतीय कृषि और डेयरी बाजार में अमेरिका की पहुंच को विस्तार देने का मुद्दा भी शामिल था। दरअसल, अमेरिका शुरू से यह मांग करता रहा है कि भारतीय कृषि एवं डेयरी बाजार को उसके लिए पूरी तरह खोल दिया जाए। जबकि भारत इस मांग को खारिज करता रहा है। अब इस समझौते की जिस रूपरेखा पर सहमति बनी है, उसके मुताबिक अमेरिकी खाद्य एवं कृषि उत्पादों पर भारत आयात शुल्क समाप्त या कम करेगा। इससे प्रथम दृष्टया यही प्रतीत होता है कि भारत ने इस मसले पर उदार रुख अपनाकर अपने कदम आगे बढ़ाए हैं। माना जा रहा है कि समझौते के लागू होने से भारतीय बाजार में अमेरिका के कृषि उत्पादों की आवक बढ़ेगी, जिसका असर देश के किसानों पर पड़ सकता है। हालांकि, सरकार का दावा है कि देश के किसानों के हित पूरी तरह सुरक्षित हैं और इस समझौते से उन्हें भी लाभ होगा। व्यापार समझौते की शर्तों में यह बात भी शामिल है कि भारत अगले पांच वर्ष में 500 अरब डालर के अमेरिकी ऊर्जा उत्पाद, विमान एवं उसके कलपुर्जे, कीमती धातु, प्रौद्योगिकी उत्पाद और कोयला खरीदेगा। साथ ही रूस से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से तेल खरीद बंद करनी होगी।

सस्ती शिक्षा की महंगी कीमत: भारतीय छात्रों की त्रासदी

छात्रावास की शांत गलियों में अचानक गूंजती चीखें, फर्श पर बहता खून और भय से जमी आंखें—7 फरवरी 2026 की वह रात रूस के ऊफा शहर स्थित बश्कीर स्टेट मेडिकल यूनिवर्सिटी के इतिहास पर एक काले अध्याय की तरह दर्ज हो गई। एक 15 वर्षीय किशोर परिसर में घुसा, सीधे डॉर्मिट्री पहुंचा और वहां मौजूद छात्रों पर बिना चेतावनी चाकू से हमला कर दिया। जहां कुछ देर पहले तक पढ़ाई, बातचीत और आराम का माहौल था, वहां पलभर में आतंक और अफरा-तफरी फैल गई। हमले में चार भारतीय छात्रों सहित छह लोग घायल हुए, जबकि दो पुलिसकर्मी भी इसकी चपेट में आए। शांत वातावरण देखते ही देखते भय के रणक्षेत्र में बदल गया। घायल छात्र अस्पताल में जिंदगी से जंग लड़ते रहे और हजारों किलोमीटर दूर भारत में उनके परिवार सदमे और बेचैनी में डूब गए। यह घटना केवल हिंसा नहीं थी, बल्कि उन सपनों पर किया गया क्रूर प्रहार थी, जिन्हें संजोकर हजारों युवा विदेश पढ़ने निकलते हैं।

रक्तरंजित डिग्री: विदेश में पढ़ाई का भयावह चेहरा

विदेश भेजे बच्चे, लौटा डर: शिक्षा नीति पर कठोर सवाल

अचानक गूंजती चीखों और भागते कदमों के बीच वह भयावह दृश्य सामने आया, जिसे प्रत्यक्षदर्शी शायद जीवन भर नहीं भुला पाएंगे। हमला पूरी तरह अप्रत्याशित और निर्दय था। कुछ छात्र खेल में मग्न थे, कोई घर बात कर रहा था, तो कोई परीक्षा की चर्चा में जुटा था। तभी किशोर ने चाकू निकालकर बिना चेतावनी हमला शुरू कर दिया। पलभर में अफरा-तफरी मच गई—कोई गिर पड़ा, कोई दीवार से टकराया, तो कोई घायल मित्र को संभालने में जुट गया। फर्श पर खून बहने लगा और हवा में दहशत घुल गई। चार भारतीय छात्र गंभीर रूप से घायल हुए। प्रारंभिक रिपोर्टों ने सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी—गार्ड देर से पहुंचे और आपात इंतजाम नाकाम रहे। इस लापरवाही ने छात्रों के मन में गहरा भय भर दिया। अब वही छात्रावास, जो कभी घर जैसा लगता था, उन्हें असुरक्षित पिंजरा प्रतीत होता है।

हजारों किलोमीटर दूर भारत में बैठे माता पिता के लिए यह खबर किसी वज्रपात से कम नहीं थी। जिन हाथों ने बच्चों को आशीर्वाद देकर विदा किया था, वे अब हर पल प्रार्थना में जुड़े रहते हैं। कई परिवारों ने खेत बेचे, गहने गिरवी रखे और कर्ज लेकर बच्चों की फीस भरी थी। उन्हें भरोसा दिलाया गया था कि रूस में शिक्षा सुरक्षित, सस्ती और भविष्य निर्माण का मजबूत रास्ता है। लेकिन इस हमले ने उनके विश्वास को चकनाचूर कर दिया। अब हर फोन कॉल डर पैदा करता है और हर सुबह नई चिंता लेकर आती है। माता पिता यह सोचकर कांप उठते हैं कि कहीं अगली खबर और भी दर्दनाक न हो। विदेश में पढ़ाई का सपना अब उनके लिए आशा नहीं, बल्कि अनिश्चितता और भय का प्रतीक बन गया है।

यूक्रेन युद्ध के बाद रूस भारतीय मेडिकल छात्रों का बड़ा ठिकाना बन गया। कम फीस, आसान दाखिला और एनएमसी मान्यता ने हजारों युवाओं को आकर्षित किया। नीट की ऊंची कटऑफ और सरकारी सीटों की कमी ने उन्हें मजबूरी में विदेश भेजा। हर साल बड़ी संख्या में छात्र यहां एमबीबीएस करने पहुंचते हैं, लेकिन उनकी सुरक्षा, मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक सहयोग पर कभी गंभीर ध्यान नहीं दिया गया। नस्लीय टिप्पणियां, रैगिंग, मारपीट और संदिग्ध मौतें पहले ही चेतावनी दे रही थीं। यह चाकू हमला उसी उपेक्षा का सबसे भयावह रूप बन गया। आज कई छात्र कहते हैं कि वे पढ़ाई से ज्यादा अपनी जान की चिंता करते हैं। एफएमजीई का कम पास प्रतिशत पहले ही दबाव बढ़ा रहा था, और अब भय ने उनके मनोबल को और कमजोर कर दिया है।

इस घटना ने विश्वविद्यालय प्रशासन की लापरवाही और संवेदनहीनता की परतें एक-एक कर खोल दी हैं। छात्रावासों में सुरक्षा गार्डों की कमी, कमजोर सीसीटीवी और ढीली आपात व्यवस्था लंबे समय से खतरे की चेतावनी दे रही थीं, लेकिन उन्हें लगातार नजरअंदाज किया गया। डॉर्मिट्री जैसे व्यस्त और संवेदनशील स्थानों पर भी ठोस सुरक्षा इंतजाम नहीं थे। यदि समय रहते निगरानी मजबूत की जाती और व्यवस्था को सख्त बनाया जाता, तो शायद यह त्रासदी टाली जा सकती थी। लेकिन लापरवाही ने हालात को भयावह बना दिया। अब साफ दिखता है कि विदेशी छात्रों को अक्सर केवल फीस का स्रोत माना जाता है। सवाल यह है—क्या इन संस्थानों के लिए छात्रों की जान की कोई अहमियत है, या वे सिर्फ रजिस्टर के आंकड़े बनकर रह गए हैं?

सरकारी स्तर पर भी अब तक की प्रतिक्रिया अधिकतर औपचारिकता तक ही सीमित रही है। दूतावास ने एक्स पर बयान जारी किया, अधिकारियों को मौके पर भेजा और सहायता का भरोसा दिलाया, लेकिन इससे छात्रों के मन का डर कम नहीं हुआ। अब समय आ गया है कि कड़े और ठोस कदम उठाए जाएं। रूसी सरकार से स्पष्ट मांग होनी चाहिए कि सभी विदेशी छात्रावासों में 24×7 सुरक्षा, अतिरिक्त पुलिस बल, आधुनिक निगरानी प्रणाली और मानसिक परामर्श केंद्र अनिवार्य किए जाएं। हमले की निष्पक्ष जांच और दोषियों को कठोर सजा मिलनी चाहिए। भारत सरकार को भी मजबूत हेल्पलाइन, नियमित सुरक्षा समीक्षा और व्यापक जागरूकता कार्यक्रम शुरू करने होंगे। केवल आश्वासन और बयान अब भरोसा पैदा नहीं कर सकते।

यह दर्दनाक घटना भारत-रूस के शैक्षणिक संबंधों पर गहरे सवाल खड़े करती है। क्या छात्र केवल आंकड़े हैं, या उनकी सुरक्षा और सम्मान की भी कोई कीमत है? हर साल हजारों युवाओं का विदेश जाना तब तक उपलब्धि नहीं कहा जा सकता, जब वे डर और असुरक्षा में जीने को मजबूर हों। शिक्षा का उद्देश्य आत्मविश्वास और स्थिरता देना है, न कि भय और अकेलापन। आज रूस में पढ़ रहे हजारों भारतीय छात्र मानसिक तनाव और अवसाद से जूझ रहे हैं। वे लौटना चाहते हैं, लेकिन आर्थिक और शैक्षणिक मजबूरियां उन्हें रोक लेती हैं। यह स्थिति हमारी शिक्षा और विदेश नीति—दोनों पर गंभीर सवाल खड़े करती है।

ऊफा की घटना हमें चेतावनी देती है कि विदेश में पढ़ाई अब सिर्फ अवसर नहीं, बल्कि बड़ा जोखिम बन चुकी है। सस्ती डिग्री के पीछे छिपा खतरा अब उजागर हो चुका है। सरकार, विश्वविद्यालय, एजेंट और अभिभावकों को मिलकर व्यवस्था बदलनी होगी। छात्रों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता बननी चाहिए। यदि अब भी चुप्पी रही, तो अगली खबर किसी और घर का उजाला बुझा देगी। शिक्षा तभी सार्थक है, जब वह जीवन की रक्षा करे, सपनों को संवार दे और भविष्य को सुरक्षित बनाए। सुरक्षित शिक्षा ही सच्ची शिक्षा है—और यह हर छात्र का अधिकार है।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत',
बड़वानी (मप्र)

आंचलिक

गुरुद्वारे में सीपीआर की विशेष ट्रेनिंग दी, इमरजेंसी में बचाव के तरीके बताए

दैनिक इंदौर संकेत

बड़वाह ● बड़वाह के गुरुद्वारा साहेब में रविवार को नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। एचएम अस्पताल बड़वाह, शहीद भगत सिंह सेवा दल और श्री गुरु सिंघ सभा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस शिविर में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक कुल 130 लोगों की जांच की गई। शिविर सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक चला। श्री गुरु सिंघ सभा के अध्यक्ष सरदार सुरेंद्र सिंह भाटिया ने बताया कि नगर के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. हिमांशु सिंह और डॉ. मोहिनी सिंह ठाकुर ने शिविर में अपनी सेवाएं दीं। उन्होंने उपस्थित लोगों को सामान्य और गंभीर बीमारियों के लक्षण, बचाव के उपाय और बदलती जीवनशैली में स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने के महत्व पर विस्तृत जानकारी दी। शिविर का मुख्य आकर्षण

सीपीआर (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन) का लाइव डेमो रहा, जो एचएम टीम के प्रतिनिधि प्रदीप साने ने दिया। उन्होंने बताया कि अचानक हार्ट अटैक या सांस रुकने जैसी आपातकालीन स्थिति में सीपीआर देकर किसी व्यक्ति की जान कैसे बचाई जा सकती है। उपस्थित लोगों ने इस व्यावहारिक प्रशिक्षण को ध्यानपूर्वक समझा। सचिव सरदार परविंदर सिंह और सरदार गुलबीर सिंह ने बताया कि शिविर में कुल 130 नागरिकों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इसमें 49 लोगों की ईसीजी जांच हुई और 70 लोगों का ब्लड ग्रुप टेस्ट किया गया। इसके अतिरिक्त, ब्लड प्रेशर, शुगर, पल्स और तापमान की भी जांच की गई। 100 से अधिक मरीजों को नि:शुल्क दवाइयां वितरित की गईं।

विकास में रोड़े अटकाना कांग्रेस की आदत' मंत्री नागर ने बजट को बताया विकसित भारत का संकल्प

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● क्भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में रविवार को अनुसूचित जाति कल्याण विभाग मंत्री नागरसिंह चौहान ने केंद्रीय बजट 2026-27 की घोषणाओं पर प्रेसवार्ता की। मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पेश किए गए बजट को विकसित भारत के संकल्प को गति देने वाला बताया और कांग्रेस पर विकास कार्यों में बाधा डालने का आरोप लगाया। इस दौरान खंडवा सांसद ज्ञानेश्वर पाटील ने बजट के 24 महत्वपूर्ण प्रावधानों की जानकारी दी।मंत्री चौहान ने कहा कि यह बजट देश में खुशी का माहौल लेकर आया है। उन्होंने आरोप लगाया कि देश की विकास योजनाओं में खामियां निकालकर बाधा पहुंचाना कांग्रेस की आदत बन गई है। यह बजट विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने की दिशा में महत्वपूर्ण है। मंत्री ने कहा कि बजट में महानगरों और शहरों के विकास के साथ-साथ ग्रामीण विकास, ग्रामीण रोजगार, महिला सशक्तिकरण और युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। यह बजट देश के 140 करोड़ लोगों के सपनों, आकांक्षाओं और भविष्य की मजबूत नींव रखने वाला है।

छात्र-छात्राओं को वाटर प्लांट का भ्रमण कराया

दैनिक इंदौर संकेत

कायथा ●शासकीय प्राथमिक विद्यालय नयापुरा के छात्र-छात्राओं को वाटर प्लांट का भ्रमण कराया गया। इस भ्रमण का उद्देश्य बच्चों को जल शुद्धिकरण प्रक्रिया और जल संरक्षण के महत्व के बारे में जानकारी देना था। वाटर प्लांट साइट इंचार्ज राहुल पटेल, साइट सुपरवाइजर युवराज पवार, फीटर धर्मेंद्र यादव ने बच्चों को जल शुद्धिकरण प्रक्रिया के विभिन्न चरणों की जानकारी दी और प्लांट ऑपरेशन एंड मेंटेनेंस कार्तिक प्रजापति, प्लांट ऑपरेटर दीपक धाकड़ ने प्लांट का दौरा करवाया। बच्चों ने इस भ्रमण के दौरान बहुत कुछ सीखा और अपने अनुभव को बहुत रोमांचक बताया। विद्यालय के प्रभारी प्रधान अध्यापक जितेंद्र मंगलोरिया ने बताया कि इस प्रकार के भ्रमण से बच्चों को वास्तविक जीवन की स्थितियों के बारे में जानने का अवसर मिलता है और वे अपने ज्ञान को बढ़ा सकते हैं। शैक्षणिक यात्रा के दौरान विद्यालय के शिक्षक महेंद्र शर्मा, शिक्षिका लता दुबे, शिक्षक पवन राठौर उपस्थित रहे।

पुलिसकर्मियों का प्रशिक्षण, थाना मॉड्यूल से पासपोर्ट सत्यापन होगा तेज

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर● बुरहानपुर के पुलिस नियंत्रण कक्ष में रविवार को m-Passport Police App थाना मॉड्यूल पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक देवेंद्र पाटीदार के निर्देशन में आयोजित इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य पासपोर्ट पुलिस सत्यापन प्रक्रिया को सरल, त्वरित, तकनीकी रूप से सक्षम और पारदर्शी बनाना था। इस कार्यशाला में जिले के सभी थानों से पासपोर्ट सत्यापन कार्य से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। प्रशिक्षण सत्र में m-Passport Police App थाना मॉड्यूल के प्रभावी उपयोग, ऑनलाइन सत्यापन प्रक्रिया, दस्तावेजों की जांच, फील्ड

वेरिफिकेशन, रिपोर्ट अपलोडिंग और समयबद्ध निस्तारण के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई।

पुलिस अधीक्षक देवेंद्र पाटीदार ने उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों को निर्देश दिए कि वे पासपोर्ट सत्यापन कार्य को गंभीरता, संवेदनशीलता और पूर्ण पारदर्शिता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूरा करें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि तकनीक के अधिकतम उपयोग से कार्यप्रणाली में पारदर्शिता बढ़ेगी और आम नागरिकों को शीघ्र तथा गुणवत्तापूर्ण सेवां प्राप्त होंगी।

प्रशिक्षण सत्र के दौरान ऐप की विभिन्न तकनीकी जानकारियों और फीचर्स का व्यावहारिक प्रशिक्षण लाइव डेमो के माध्यम से प्रदान किया गया। इससे कर्मचारियों को तकनीकी प्रक्रिया को समझने में सहायता मिली।

गुर्जर समाज के 'कराड़ा' बने बीजेपी संगठन प्रभारी कांग्रेस-बीजेपी का जातिगत पैटर्न एक जैसा

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ●प्रदेश भाजपा ने शनिवार को जिलों में संगठन प्रभारियों की नियुक्ति कर दी हैं। जारी सूची के अनुसार, खंडवा जिले का प्रभारी अंबाराम कराड़ा को नियुक्त किया हैं। शाजापुर जिले के पूर्व जिलाध्यक्ष व वरिष्ठ नेता अंबाराम कराड़ा पूर्व में भी खंडवा में चुनाव प्रभारी रह चुके हैं। कराड़ा को खंडवा की कमान दिए जाने के पीछे जातिगत समीकरण हैं। वे गुर्जर समाज से आते हैं। पार्टी ने उन्हें कमान देकर गुर्जर समाज को साधा हैं।

गौरतलब है कि, खंडवा में बीजेपी जिलाध्यक्ष राजपालसिंह तोमर हैं। वे राजपूत समाज से आते है, उनकी नियुक्ति के पीछे भी जातिगत समीकरण अहम था। तोमर से पहले जिलाध्यक्ष की कमान गुर्जर समाज के सेवादास पटेल संभाल चुके हैं। जिले की सियासत और वोट बैंक की माने तो यह क्षेत्र गुर्जर और राजपूत समाज बहुल है। दोनों समाज जिले की चार में से तीन विधानसभा सीटों पर निर्णायक रहते हैं। अब बीजेपी ने अंबाराम कराड़ा को जिला प्रभारी बनाकर गुर्जर समाज को साध लिया हैं। इधर, सत्ताधारी बीजेपी के अलावा विपक्षी कांग्रेस में भी जातिगत फॉर्मूला एक जैसा हैं। बीजेपी की तरह ही कांग्रेस जिलाध्यक्ष भी राजपूत समाज से है। कांग्रेस ने जिले की कमान निमाड़ राजपूत समाज के संरक्षक और पूर्व विधायक राजनारायणसिंह के बेटे उत्तमपालसिंह पुरनी को सौंप रखी हैं। वहीं जिला संगठन प्रभारी के तौर पर हरदा विधायक आरके दोगने को जिम्मा दें रखा हैं। विधायक दोगने गुर्जर समाज से आते हैं। अब बीजेपी ने भी गुर्जर समाज से अंबाराम कराड़ा को उतार दिया हैं।

उद्योगों को बजट 2026 से मिलेगा बढ़ावा : गजेंद्र पटेल

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर● केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा 1 फरवरी को पेश किए गए केंद्रीय बजट 2026 के प्रावधानों को आमजन तक पहुंचाने के लिए विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में शनिवार शाम 5 बजे बुरहानपुर में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस हुई। इसमें भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति मोर्चा के राष्ट्रीय महामंत्री और खरगोन लोकसभा क्षेत्र से सांसद गजेंद्र सिंह पटेल शामिल हुए। उन्होंने बजट में किए गए प्रावधानों से अवगत कराया। सांसद गजेंद्र पटेल ने बताया कि केंद्रीय बजट में बुरहानपुर के उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए भी विशेष प्रावधान किए गए हैं। इससे यहां मेगा टेक्सटाइल यूनिटों को फायदा मिलेगा। पावरलूम यूनिटों में नए उत्पादों का निर्माण होगा, जिनकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में मांग बढ़ेगी।

उन्होंने यह भी बताया कि बुरहानपुर में खादी को भी प्रोत्साहन दिया जाएगा, जिससे यहां के बुनकरों को एक नया बाजार मिलेगा। यहां विभिन्न प्रकार के कपड़े बनेंगे, जिनमें मेडिकल मास्क से लेकर गाड़ी के सीट कवर तक शामिल होंगे। इसके अतिरिक्त, धार में चल रही पीएम मित्र योजना का लाभ बुरहानपुर के किसान अपना कपास बेचकर उठा सकते हैं, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। पटेल ने कहा कि भारत दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। उन्होंने तुलना करते हुए बताया कि कांग्रेस के शासनकाल में भारत 11वीं अर्थव्यवस्था था, जबकि आज यह तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में खड़ा है।

बिरसा मुंडा क्रिकेट टूर्नामेंट सीजन- पानसेमल बना चैंपियन, झाबुआ को दी मात

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● क्रिकेट प्रेमियों के रोमांच और आदिवासी युवाओं के जोश से भरे बिरसा मुंडा क्रिकेट टूर्नामेंट सीजन-4 का फाइनल मुकाबला इंदौर के श्री अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय के मैदान में खेला गया। इस महामुकाबले में गत वर्ष की विजेता पानसेमल ने अपने जीत के क्रम को इस वर्ष भी बनाकर रखते हुए झाबुआ को हराकर खिताब अपने नाम किया। फाइनल मैच में पानसेमल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया और बल्लेबाजी करते हुए झाबुआ ने निर्धारित 8 ओवरों में 68 रनों का स्कोर खड़ा किया। जवाब में उतरी पानसेमल की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 3 गेंद शेष रहते 69 रन बनाकर जीत दर्ज की। इस शानदार जीत के साथ पानसेमल ने 2,00,000/- का प्रथम पुरस्कार अपने नाम किया, जबकि उपविजेता झाबुआ को 1,00,000/- की पुरस्कार राशि से सम्मानित किया गया। टूर्नामेंट में पानसेमल के आशीष सिंह को 'मैन ऑफ द सीरीज' के खिताब से नवाजा गया, जबकि झाबुआ के मिखिल को 'बेस्ट बैट्समैन' का पुरस्कार मिला। सेमीफाइनल तक पहुंचने वाली गंधवानी और पंधाना की टीमों को भी ?21,000/- की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गई।

यह टूर्नामेंट आदिवासी युवाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश युवा आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. निशांत खरे के संरक्षण में आयोजित किया जाता है। इस वर्ष इसमें प्रदेश की 32 विधानसभा क्षेत्रों की टीमों ने हिस्सा लिया। बड़ी संख्या में मौजूद दर्शकों ने रोमांचक मुकाबलों का आनंद लिया और आदिवासी संस्कृति की झलक भी ढोल-नगाड़ों की गूंज और पारंपरिक नृत्य में देखने को मिली।

दो दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● श्री गीता रामेश्वरम ट्रस्ट के तत्वाधान मैं स्वर्गीय रामेश्वर पटेल बाबूजी पूर्व मंत्री की स्मृति मैं अभिभाषको का दो दिवसीय टेनिस क्रिकेट बॉल टूर्नामेंट आयोजित किया गया जिसमें आज पुरुष विजेता टीम राजेश खण्डेलवाल इलेवन,उपविजेता टीम विधि वीर,महिला विजेता टीम यूथ एडवोकेट्स ,महिला उपविजेता टीम बाबा इलेवन विजयी रहे । उक्त जानकारी ट्रस्ट के अध्यक्ष विनोद सत्यनारायण पटेल, मदन परमालिया ने बताया कि टूर्नामेंट जिसमे आज न्यायधीशों व अधिवक्ताओं के बीच मैत्री मैच खेला गया जिसमें न्यायाधीशो की टीम विजयी रहे । आज मुख्य रूप से अमन बजाज पूर्व जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष, इंदौर प्रेस क्लब अध्यक्ष दीपक कर्दम व वरिष्ठ पत्रकार बबलू पाठक उपस्थित रहे। टूर्नामेंट के प्राइज डिस्ट्रीब्यूशन आज के मुख्य अतिथि मनीष यादव हाइकोर्ट बार एसोसिएशन अध्यक्ष,राहुल पटेल,विनोद पटेल,चेतन चौधरी,विशेष अतिथि मनीष गड़कर सचिव हाइकोर्ट बार,विपिन वानखेडे कांग्रेस अध्यक्ष ,अरविंद बागड़ी थे। आयोजन समिति के मुख्य संयोजक जय हार्डिया, संजय हार्डिया, कुलदीप पाटीदार, लव हार्डिया, मुकेश तोमर थे । सफलतापूर्वक प्रतियोगी होने पर अभा कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव, पूर्व विधायक सत्यनारायण पटेल ने सभी को बधाई दी।

सूर्यकुमार विश्वकप में तेजी से 500 रन बनाने वाले बल्लेबाजों में शामिल हुए

मुंबई (एजेंसी) ● भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने टी20 विश्वकप के अपने पहले ही मैच में अमेरिका के खिलाफ खेली अपनी 84 रनों की नाबाद पारी के साथ ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर ली है। सूर्यकुमार ने 84 रनों की अपनी इस पारी के साथ टी20 विश्वकप कप में अपने 500 रन पूरे किये हैं। अब उनके नाम इस आईसीसी टूर्नामेंट में 18 पारियों में 564 रन हो गए हैं। इसके साथ ही सूर्यकुमार तेजी से 500 रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में शामिल हो गये हैं। सूर्या विश्व कप में 500 रन बनाने वाले छठे और सबसे कम पारियों में ये आंकड़ा हासिल करने वाले चौथे भारतीय बल्लेबाज हैं। इससे पहले ये आंकड़ा महेन्द्र सिंह धोनी और युवराज सिंह के अलावा विराट कोहली , रोहित शर्मा, गौतम गंभीर के नाम है। वहीं सबसे तेजी से 500 रन का आंकड़ा विराट के नाम है।

फिल्म 'भूत बंगला' की रिलीज डेट का ऐलान

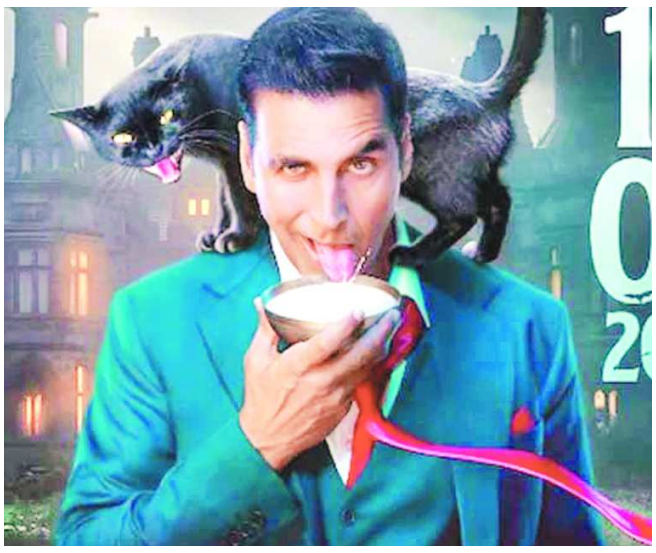

मुंबई (एजेंसी) ● बॉलीवुड स्टार अक्षय कुमार की आने वाली हॉरर कॉमेडी फिल्म 'भूत बंगला' 10 अप्रैल, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म 'भूत बंगला' का निर्देशन प्रियदर्शन कर रहे हैं। 14 साल बाद अक्षय कुमार और प्रियदर्शन फिर से एक साथ आए हैं। 'भूत बंगला' से पहले अक्षय और प्रियदर्शन 'हेराफेरी', 'गरम मसाला', 'भागम भाग', 'भूल भुलैया', 'दे दना दन' और 'खट्टा मीठा' में साथ काम कर चुके हैं। इस फिल्म में अक्षय कुमार के साथ वामिका गब्बी, तब्बू और परेश रावल जैसे कलाकार नजर आने वाले हैं। फिल्म में दिवंगत अभिनेता असरानी भी नजर आएंगे। पहले यह फिल्म 15 मई 2026 में सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी। फिल्म की रिलीज बदल गई है।अब 'भूत बंगला' 10 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

कुछ लोग मुझे एक्टिंग छोड़ने के लिए कर रहे मजबूर : पायल राजपूत

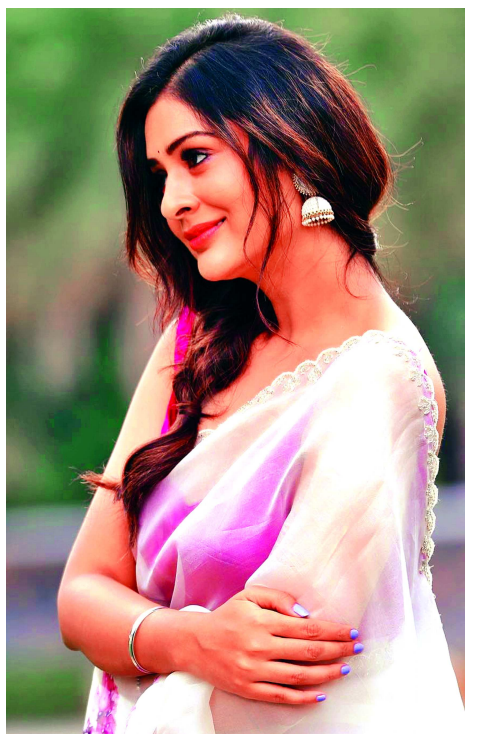

मुंबई (एजेंसी) ● अभिनेत्री पायल राजपूत का कहना है कि इंडस्ट्री में कुछ लोग उन्हें एक्टिंग छोड़ने के लिए मजबूर करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वह पीछे हटने वाली नहीं हैं। पायल राजपूत ने एक बार फिर अपने संघर्ष, दृढ़ता और मजबूत इरादों को खुलकर रखा है। पायल का कहना है कि कठिन समय ने भले ही उन्हें हिलाया हो, लेकिन तोड़ा नहीं। पायल ने एक्स पर लिखते हुए कहा, 'वे चाहते हैं कि मैं छोड़ दूं। कई बार मैं खुद से सवाल करती हूं कि क्या मुझे रुक जाना चाहिए। लेकिन फिर मैं पिछले 12 सालों की अपनी कड़ी मेहनत को याद करती हूं। तब मैं खुद से कहती हूं नहीं, मैं फेल हो सकती हूं, लेकिन हार नहीं मानूंगी।' उनका यह बयान उन सभी कलाकारों के दिल से जुड़ता है, जो संघर्ष के दौर से गुजर रहे हैं। नेपोटिज्म और फेवरेटिज्म जैसे मुद्दों पर पायल पहले भी बेबाक रुख अपनाती रही हैं। उन्होंने अपने पिछले पोस्ट में लिखा था कि एक्टर बनना सबसे कठिन करियर में से एक है, क्योंकि यहां हर दिन अनिश्चितता से भरा होता है। उनके अनुसार अक्सर टैलेंट के ऊपर बड़े सरनेम, मजबूत कनेक्शन और पावरफुल एजेंट्स हावी हो जाते हैं। इस वजह से कई बार वे सोचने पर मजबूर हो जाती हैं कि उनकी मेहनत इस सिस्टम में पहचानी जाएगी भी या नहीं। उन्होंने कहा था कि अवसर अक्सर उन्हीं लोगों के पास चला जाता है जिनके पास प्रभावशाली पहचान या बैकग्राउंड होता है। इसके बावजूद पायल ने अपनी हिम्मत नहीं खोई और उम्मीद बनाए रखी।

उज्जैन संभाग

हजारों लोग परिवारों संग उमड़े, जुंबा, भक्ति गीतों तक दिखा फिटनेस और मनोरंजन का रंगीन संगम

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● रविवार सुबह साल की दूसरी 'राहगीरी' का आयोजन किया गया। उज्जैन-देवास रोड पर नगर निगम द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में हजारों लोग अपने परिवारों के साथ शामिल हुए। इस दौरान मॉर्निंग वॉक, हल्की धूप और विभिन्न मंचों ने शहर की सुबह को उत्सव जैसा बना दिया। बच्चे, युवा और बुजुर्ग सहित हर आयु वर्ग के लोगों ने इसका आनंद लिया। कार्यक्रम में फिटनेस और मनोरंजन का अनूठा संगम देखने को मिला। एक ओर जहां लोग जुंबा के जरिए खुद को फिट रख रहे थे, वहीं दूसरी ओर मंचों से भक्ति और फिल्मी गीतों की धुनें गूंज रही थीं। पांच साल के बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी ने गीत, नृत्य और खेलकूद गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

लोगों के मन की बातें भी जानी

विक्रम विश्वविद्यालय के समाजशास्त्र एवं समाज कार्य अध्ययनशाला ने मानसिक स्वास्थ्य पर आधारित एक स्टॉल लगाया। यहां पर्चियों के माध्यम से लोगों की भावनाएं और जरूरतें पूछी गईं। कई लोगों ने खुशी को सबसे बड़ा लक्ष्य बताया, जबकि कुछ ने परिवार को प्राथमिकता दी और कुछ ने मदद की आवश्यकता व्यक्त की। विक्रम यूनिवर्सिटी के सामने बने मंच पर एक बच्ची ने भक्ति गीत पर नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया। तबले की धुन पर बॉलीवुड गीतों की प्रस्तुतियों ने माहौल को और जीवंत बना दिया। कोठी रोड तक दूर-दूर तक लोग अपने दोस्तों और परिवारों के साथ घूमते नजर आए।

अलग-अलग एक्टिविटी में शामिल हुए लोग

छोटे बच्चों ने मंच से भगवान शिव का पाठ भी किया। सभापति कलावती यादव ने बताया कि यह 'राहगीरी' प्रतिवर्ष आयोजित की जाती है, इस वर्ष इसका शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किया है। इस वर्ष भी बड़ी संख्या में महिलाओं, बच्चों और पुरुषों ने इसमें शिरकत की।

कार्यक्रम में कवि सम्मेलन, ऑर्केस्ट्रा, हनुमान चालीसा पर आधारित योग, विभिन्न खेलकूद, नृत्य और 'रास्ता काशी' जैसी गतिविधियां भी शामिल रहीं। इस अवसर पर भाजपा नगर अध्यक्ष संजय अग्रवाल, मुकेश यादव सहित कई अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सुरक्षा के लिए कृषि उपज मंडी में ट्रॉलियों पर रेडियम रिफ्लेक्टर लगाए

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● सुरक्षा की दृष्टि से और सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से शनिवार को कृषि उपज मंडी में आने वाली 0000 ट्रॉलियों पर रेडियम रिफ्लेक्टर लगाए गए। मंडी प्रशासन और यातायात पुलिस ने संयुक्त रूप से जागरूकता के लिए इस पहल के साथ कदम उठाया।

कुछ दिनों पहले कलेक्टर रौशनकुमार सिंह ने सड़क सुरक्षा समिति की बैठक ली थी। इसमें उन्होंने इस संबंध में निर्देश दिए थे। अक्सर ट्रॉली के पीछे लाइट नहीं लगी होने के कारण वाहन चालकों को आगे जा रही ट्रॉली का पता नहीं चलता और दुर्घटना हो जाती है। लिहाजा रेडियम रिफ्लेक्टर लगे होने से इस प्रकार की दुर्घटनाएं नहीं होगी।

अधिकारियों ने रिफ्लेक्टर लगाने के सा?थ ही किसानों को ट्रैक्टर, ट्रॉली सड़क के किनारे खड़ी करने के सुरक्षात्मक उपाय भी बताए। यह भी भरोसा दिलाया कि रेडियम रिफ्लेक्टर लगाने की यह प्रक्रिया लगातार जारी रहेगी। इस दौरान मंडी सचिव राजेश गोयल, उप पुलिस अधीक्षक यातायात विक्रम सिंह, जितेंद्र अग्रवाल, हजारीलाल मालवीय आदि ने सुरक्षा की दृष्टि से किसानों से रेडियम रिफ्लेक्टर लगवाने का आग्रह किया है।

3 साल में 7 दुर्घटनाओं में 6 लोगों की हुई मौत कृषि मंडी चिमनगंज थाना क्षेत्र में आती है। थाने का रिकॉर्ड बताता है कि तीन साल में इस थाना क्षेत्र में सर्वाधिक 7 दुर्घटनाओं में 6 लोगों की मौत हुई हैं। इनमें से कुछ ट्रैक्टर ट्रॉलियों से जुड़े हादसे भी थे। अधिकांश हादसे आरडी गार्डी मेडिकल कॉलेज के समीप हुए हैं।

ये हादसे 2022 से 2024 के बीच के हैं। पुलिस का मानना है कि मार्ग पर स्ट्रीट लाइट के बंद रहने की स्थिति में जब वाहन अंधेरे में आवागमन करते हैं और वाहनों की लाइट भी बंद रहती है तो दुर्घटना की आशंका बढ़ जाती है। इसके अलावा सड़क किनारे खड़े वाहन में चमकीले व लाइट संकेतक नहीं होने से भी हादसे होते हैं। रेडियम रिफ्लेक्टर से हादसों में कमी आती है।

6 माह के लिए 11 अपराधी जिलाबदर, कलेक्टर ने शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए की कार्रवाई

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई की है। कलेक्टर रोशन कुमार सिंह ने मध्य प्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम के तहत 11 व्यक्तियों को छह माह के लिए जिला बदर करने के आदेश जारी किए हैं। इन सभी व्यक्तियों को उज्जैन जिले की सीमाओं के साथ-साथ देवास, इंदौर, रतलाम, शाजापुर, मंदसौर, धार और आगर मालवा जैसे सीमावर्ती जिलों की राजस्व सीमाओं से भी छह माह की अवधि के लिए बाहर रहना होगा। वे इस दौरान इन शहरों की सीमा में प्रवेश नहीं कर पाएंगे। जिला बदर किए गए व्यक्तियों में विभिन्न थाना क्षेत्रों के अपराधी शामिल हैं। इनमें देवासगेट थाना क्षेत्र से कालू उर्फ टेंशन उर्फ रितेश पिता हेमराज, महिदपुर थाना क्षेत्र से अकरम पिता मोहम्मद हनीफ और दशरथ पिता रतनलाल शामिल हैं। माधवनगर थाना क्षेत्र से भरत उर्फ भर्रा गेहलोत पिता राजू गेहलोत, महाकाल थाना क्षेत्र से रोहित उर्फ टल्ला पिता अय्यूब शाह उर्फ राजू शाह, चिमनगंजमंडी थाना क्षेत्र से भूरा उर्फ ओहिल उर्फ आहिल पिता शफीक, नीलगंगा थाना क्षेत्र से मयूर उर्फ मयूरेश पिता शरद व्यास का नाम है। इसके अतिरिक्त, घट्टिया थाना क्षेत्र से दिलीप पिता रमेश बागडिया, पंवासा थाना क्षेत्र से मोहसिन पिता फारुख मंसूरी और भाटपचलाना थाना क्षेत्र से भुरू उर्फ भूरालाल पिता रामलाल मावी को भी जिला बदर किया गया है। जारी आदेश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यदि इन व्यक्तियों के विरुद्ध उज्जैन जिले के किसी न्यायालय में कोई प्रकरण विचाराधीन है, तो वे पेशी पर आ सकेंगे। हालांकि, इसके लिए उन्हें संबंधित थाना प्रभारी को पहले लिखित सूचना देनी होगी।

एमआर -4 मार्ग चौड़ीकरण का विरोध, सिंहस्थ 2028 की तैयारियों के बीच 200 परिवारों पर बेघर होने का खतरा

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● सिंहस्थ 2028 की तैयारियों के बीच विकास और विस्थापन को लेकर टकराव सामने आया है। प्रशासन की रूक-4 मार्ग को 24 मीटर चौड़ा करने की योजना के विरोध में दारू गोदाम, अमर नगर और प्रीति नगर क्षेत्र के सैकड़ों रहवासी सड़कों पर उतर आए हैं। यह प्रस्तावित मार्ग राणकेश्वर धाम से गाड़ी अड्डा होते हुए शिप्रा नदी के बड़े पुल तक तय किया है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि वे विकास के विरोधी नहीं हैं, लेकिन अपने घरों की कीमत पर विकास स्वीकार नहीं कर सकते। उनका स्पष्ट मत है कि वे 'विकास के खिलाफ नहीं, विनाश के खिलाफ' हैं। प्रभावित क्षेत्रों में बड़ी संख्या में घरों और दुकानों पर विरोध में पोस्टर लगाए गए हैं। रहवासियों का दावा है कि यदि 24 मीटर चौड़ीकरण लागू किया गया, तो 150 से 200 परिवार पूरी तरह बेघर हो जाएंगे। गलियों में नारों की गूंज और लोगों के चेहरों पर डर व असमंजस साफ देखा जा सकता है। स्थानीय लोग प्रशासन से मांग कर रहे हैं कि 24 मीटर के स्थान पर 15 मीटर चौड़ीकरण किया जाए। उनका तर्क है कि इससे सड़क का विकास भी होगा और लोगों के आशियाने भी सुरक्षित रह सकेंगे।

न्यूज ब्रीफ

महिला मोर्चा द्वारा महिला संवाद कल

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा और महिला मोर्चा की नगर अध्यक्ष शैलजा मिश्रा ने बताया कि 10 फरवरी को दोपहर 1:30 बजे आनंद मोहन माथुर सभागृह में महिला मोर्चा द्वारा महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन होगा। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया और महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष अश्विनी पारंजपे शामिल होगी। नेताओं ने बताया कि केंद्रीय बजट प्रचार अभियान के अंतर्गत सभी वर्गों से संवाद किया जा रहा है, उसी के अंतर्गत कल महिला संवाद का आयोजन किया जाएगा। बजट को लेकर केंद्रीय मंत्री मांडविया और महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष अश्विनी पारंजपे महिलाओं से संवाद करेंगे।

डॉ. दिलीप आचार्य को 'सर्जरी लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड'

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • इंदौर के प्रसिद्ध सर्जन, पूर्व सिविल् सर्जन व सर्जिकल स्पेशलिस्ट डॉ. दिलीप कुमार आचार्य को सर्जरी, चिकित्सा और समाज सेवा में उनके योगदान के लिए एसोसिएशन ऑफ़ सर्जन्स ऑफ़ इंडिया के मध्य प्रदेश चैप्टर द्वारा उनकी वार्षिक कांफ्रेंस मैं लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया । कांफ्रेंस मैं यह अवार्ड डॉ आचार्य को एसोसिएशन के इमीडिएट राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ प्रवीण सूर्यवंशी , पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ सतीश शुक्ला व डॉ संजय जैन द्वारा दिया गया । मध्यप्रदेश के चेयरमैन डॉ माहिम कोशरिया, सचिव डॉ अविनाश विश्वानी, कांफ्रेंस के अध्यक्ष डॉ राकेश शिवहरे, ऑर्गेनाइजिंग कमेटी सचिव डॉ अक्षय शर्मा भी मौजूद थे। डॉ आचार्य सर्जरी एसोसिएशन व आईएमए के इंदौर चैप्टर व मध्य प्रदेश चैप्टर अध्यक्ष भी रह चुके है व पूर्व मैं राष्ट्रीय सर्जिकल ऑनकोलॉजी, एंडोक्राइन सर्जरी, थोरेसिक सर्जरी एसोसिएशन मैं भी कई पदों पर रह चुके है।

आवश्यकता पड़ने पर प्राचार्य अवकाश के दिनों में भी करवा सकते हैं प्रायोगिक परीक्षाएं

प्राचार्यों को बोर्ड परीक्षाओं के साथ विषय प्रेक्टिकल भी कराने होंगे

शासन द्वारा कोई कार्यकम या अवकाश घोषित किया जाता है तब भी परीक्षाएं यथावत होंगी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • दसवीं एवं बारहवीं की परीक्षाओं के साथ प्राचार्यों को सब्जेक्ट प्रेक्टिकल कराने होंगे। जिस तिथि से बोर्ड एग्जाम है, उसी तारीख से माध्यमिक शिक्षा मंडल ने प्रायोगिक परीक्षाएं भी निर्धारित की हैं। इसके लिए सख्त निर्देश दिए गए हैं। निर्देश में कहा गया है कि समय पर शिक्षकों को यह कार्य करना होगा। माध्यमिक शिक्षा मंडल का कहना है कि नियिमत परीक्षार्थियों की प्रायोगिक परीक्षाएं उनके विद्यालय एवं स्वाध्यायी छात्रों के प्रेक्टिकल उन्हें आवंटित परीक्षा केन्द्रों पर कराए जाएंगे। 10 फरवरी से जिस दिन बारहवीं अंग्रेजी विषय का प्रश्न पत्र है। उसी दिन से प्रेक्टिकल होंगे। 10 फरवरी से 10 मार्च के मध्य प्रेक्टिकल होंगे। इनकी तिथियां तथा समय ज्ञात करने के लिए प्राचार्य एवं केन्द्राध्यक्षों से विद्यार्थियों को संपर्क स्थापित करना होगा। आवश्यकता पड़ने पर प्रायोगिक परीक्षाएं अवकाश के दिनों में भी की जा सकेंगी।

विषय परीक्षाओं के लिए सख्त निर्देश–मुख्य परीक्षा के लिए मंडल ने विशेष निर्देश जारी किए हैं। बोर्ड की अतिरिक्त सचिव का कहना है कि एग्जाम के लिए समस्त विद्यार्थियों को परीक्षा केन्द्र पर प्रात: 8.30 बजे तक उपस्थिति होना अनिवार्य होगा। परीक्षा प्रारंभ होने के निर्धारित समय से 15 मिनट पूर्व के पश्चात किसी को प्रवेश नही दिया जाएगा। यह भी सार्वजनिक किया गया है कि परीक्षाकाल में शासन द्वारा यदि कोई सार्वजनिक अथवा स्थानीय अवकाश घोषित किया जाता है तो यथावत कार्यक्रम के अनुसार परीक्षा कराई जाएंगी। परीक्ष प्रारंभ होने के दस मिनट पूर्व विद्यार्थियों को उत्तर पुस्तिका एवं पांच मिनट पहले प्रश्न पत्र दिए जाएंगे। मंडल का कहना है कि आवश्यकता पड़ने पर तिथि एवं समय में कभी भी बिना किसी सूचना के परिवर्तन भी किया जा सकता है।

मंडल की हेल्पलाइन में डेढ़ हजार कॉल

अगले दो दिन बाद होने जा रही दसवीं एवं बारहवी की परीक्षाओं को लेकर विद्यार्थियों की चिंता साफ तौर पर देखी जा रही हैं। रविवार को बोर्ड की हेल्पलाइन में प्रदेश से 1600 विद्यार्थियों द्वारा कॉल किए गए। हेल्पलाइन में काउंसलरों का कहना है कि विद्यार्थियों की सबसे ज्यादा चिंता विषय तैयारियों को लेकर है। उनके बीच शंका-कुशंकाओं के भाव चल रहे है। विद्यार्थी यही प्रश्न कर रहे हैं कि जो पढ़ा है। वही सामग्री प्रश्न पत्र में आएंगी कि या फिर बाहर से कुछ प्रश्न दिए जा सकते हैं। अनेक विद्यार्थी यह प्रश्न भी कर रहे है कि जो पढ़ते हैं वह भूल क्यों रहा है। उन्हें समझाइस दी जा रही है कि वह अपनी अध्ययन तैयारियों पर एकाग्रचित रहे। उनके साथ परीक्षाओं में सब बेहतर होगा। विद्यार्थी पॉजीटिव सोच के साथ काम करें।

सतह से 50 फीट नीचे लगभग 100 फीट लंबी सुरंग बनेगी

कान्ह नदी के नीचे से गुजरेगी मेट्रो, सुरंग का काम हुआ शुरू

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • शहर के बहुप्रतीक्षित मेट्रो प्रोजेक्ट ने एक और अहम पड़ाव पार कर लिया है। शहर की जीवनरेखा मानी जाने वाली कान्ह नदी के नीचे से मेट्रो सुरंग की खुदाई का काम शुरू हो गया है। यह मेट्रो कॉरिडोर का सबसे चुनौतीपूर्ण हिस्सा माना जा रहा है, जहां करीब 100 फीट लंबी सुरंग में मेट्रो ट्रेन नदी की सतह से लगभग 50 फीट नीचे से गुजरेगी।

मेट्रो अधिकारियों के अनुसार सुरंग निर्माण का कार्य शिवाजी मार्केट स्थित मल्टीलेवल पार्किंग के पीछे से शुरू किया गया है। कार्य को सुचारू रूप से आगे बढ़ाने के लिए पार्किंग के कुछ हिस्सों को हटाया गया है। यहीं से सुरंग रामबाग ब्रिज और फुट ओवर ब्रिज के बीच से होते हुए पुराने शहर की दिशा में आगे बढ़ेगी। ताई ने स्टेशन को लेकर ली आपत्ति-मेट्रो के प्रारंभिक प्रस्ताव में राजवाड़ा क्षेत्र में स्टेशन बनाया जाना था, लेकिन पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन की आपत्ति के बाद इसमें बदलाव किया गया। अब राजवाड़ा के बजाय सदर बाजार क्षेत्र में स्टेशन बनाया जा रहा है। बंगाली चौराहा से राजवाड़ा तक के रूट पर जनप्रतिनिधियों के बीच सहमति बनने के बाद इस हिस्से के काम ने रफ्तार पकड़ ली है।

अंडरग्राउंड टनल से गुजरेंगे यात्री–कान्ह नदी के साथ-साथ इंदौर एयरपोर्ट क्षेत्र में भी मेट्रो के लिए अंडरग्राउंड टनल बनाई जा रही है। इसका उद्देश्य हवाई यात्रियों को बिना बाहर निकले सीधे मेट्रो स्टेशन तक पहुंचाना है। मेट्रो स्टेशन एयरपोर्ट परिसर से करीब 200 मीटर दूर बिजासन मंदिर जाने वाली सडक के पास प्रस्तावित है। यात्रियों की सुविधा के लिए एयरपोर्ट के आगमन और प्रस्थान द्वार के सामने एस्केलेटर लगाए जाएंगे, जो सीधे अंडरग्राउंड टनल के जरिए स्टेशन तक पहुंचाएंगे। अधिकारियों का कहना है कि मेट्रो के शुरू होने से शहर की यातायात व्यवस्था को नई गति मिलेगी और हवाई यात्रियों को बड़ी राहत मिलेगी।

स्वामी हरीकृष्ण दास स्कूल लोकार्पण से विवाद, दो मंत्रियों की पुरानी शिलालेख हटाई

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • इंदौर में एक सरकारी स्कूल के 11 साल बाद फिर लोकार्पण कार्यक्रम ने सिंधी समाज में राजनीति तेज कर दी है। इस लोकार्पण को करने वाले वर्तमान नेताओं ने अपनी ही पार्टी के पुराने वरिष्ठ नेताओं के नाम की शिलालेख हटा दी और अपनी चिपका दी।

इंदौर में सरकारी स्कूल हरिकृष्णदास जी उदासी स्कूल वार्ड 65 को लेकर सिंधी समाज और राजनेताओं के बीच में श्रेय की राजनीति आड़े आ गई। शनिवार 7 फरवरी को स्कूल का लोकार्पण किया गया था। बताया गया था कि स्कूल में 48 लाख रुपए से काम किए हैं इसलिए ऐसा किया गया है। ये स्कूल 11 साल पहले ही बना था। तब 20 अक्टूबर 2014 को हुए लोकार्पण कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री विक्रम वर्मा, तत्कालीन मंत्री सुरेंद्र पटवा के साथ ही तत्कालीन महापौर कृष्णमुरारी मोघे और क्षेत्रीय विधायक मालिनी गौड़ सभी मौजूद थे। इन सभी के नाम की शिलालेख भी थी। अब इसे हटा दिया गया है और नए सिरे से लोकार्पण कर नई शिलालेख लगा दी गई है।

नई शिलालेख में इनके नाम लिखे गए–नई शिलालेख में मुख्य अतिथि महापौर पुष्यमित्र भार्गव और विधायक मालिनी गौड़ का नाम है। वहीं क्षेत्रीय पार्षद कमलेश कालरा, नगर मंत्री महेश कुकरेजा, मंडल अध्यक्ष जितू चेलानी भी नामित हैं। सिंधी कॉलोनी व्यापारिक एसोसिएशन अध्यक्ष ललित पारानी समेत दर्जन भर नेताओं के नाम शामिल हैं।

पहले लिखा लोकार्पण, फिर विवाद हुआ तो हटाया

इस शिलालेख पर पहले 'लोकार्पण' लिखा गया था, और कार्यक्रम के निमंत्रण में भी यही शब्द था। फिर जब विवाद हुआ और यह कहा गया कि स्कूल का लोकार्पण तो 11 साल पहले हो चुका था, तो इसे बदल दिया गया। उस समय सिंधी समाज से निगम के एमआईसी सदस्य जवाहर मंगवानी ने इसका काम कराया था। एक बड़ा आयोजन भी हुआ था, जिसमें बीजेपी नेता, मंत्री, महापौर और विधायक सभी आए थे। इसके बाद शिलालेख पर 'लोकार्पण' शब्द को छिपा दिया गया और इसे 'जीर्णोद्धार' का नाम दे दिया गया। पार्षद कमलेश कालरा ने बताया कि स्कूल में जगह-जगह से पानी टपक रहा था और शौचालय भी खराब थे। इन्हें ठीक करने के लिए 48 लाख रुपए की लागत आई।

प्रतिबंध के बाद भी मंडी में जारी दुकान खरीदी-बिक्री

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • चोइथराम मंडी में मंडी अधिनियम की खुलेआम अव्हेलना और किसानों के शोषण का मामला सामने आया। मंडी परिसर में नियमों को ताक पर रखकर न केवल दुकानों को अवैध रूप से किराए पर दिया जा रहा है, बल्कि प्रतिबंध के बावजूद दुकानों की खरीदी बिक्री भी धड़ल्ले से जारी है। वर्ष 2014 से मंडी में दुकानों की खरीदी-बिक्री पर स्पष्ट प्रतिबंध लागू है, फिर भी मंडी परिसर के अंदर एक दर्जन से अधिक दुकानों की खरीद की जा रही है। कुछ दिन पहले भी एक दुकान की बिक्री हुई, जो नियमों की खुली अव्हेलना और गंभीर अनियमितता को दर्शाता है। इतना ही नहीं, आलू-प्याज मंडी और फूट मंडी क्षेत्र में भी दुकानों की अवैध खरीदी-बिक्री की शिकायतें सामने आई हैं, जिससे पूरे मंडी तंत्र की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं। किसान नेताओं की शिकायत के बाद भी प्रशासन की ओर से की गई जांच में नियमों के उल्लंघन की पुष्टि सामने आई और मंडी की दुकान को सील किया गया। किसान नेता ने मांग की है कि वर्ष 2014 से अब तक हुई सभी दुकानों की खरीदी-बिक्री, अवैध किराया वसूली और कब्ज़ों की उच्चस्तरीय जांच करवाई जाए। साथ ही दोषी व्यापारियों और संबंधित अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए, किसानों से अवैध रूप से वसूली गई राशि उन्हें वापस दिलाई जाए।

अफसरों की सुस्ती से सीएम हेल्पलाइन हुई हेल्पलेस

बड़े महकमे जनता की समस्याएं सुलझाने में पीछे

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल • प्रदेश सरकार ने आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए जनसुनवाई, सीएम हेल्पलाइन व्यवस्था शुरू की थी। लेकिन विभागीय अफसरों की सुस्ती के कारण सीएम हेल्पलाइन खुद हेल्पलेस हो गई है। खासकर उन विभागों में बदहाली देखी जा रही है जिनसे जनता का जुड़ाव सबसे अधिक है। कृषि, स्कूल व उच्च शिक्षा, पीडब्ल्यूडी के साथ राजस्व और स्वास्थ्य जैसे बड़े महकमे जनता की समस्याएं सुलझाने में पीछे हैं, जिनसे जनता का सीधे जुड़ाव है। पीछे चलने वाले महकमों में ही हर माह एक लाख से अधिक शिकायतें रजिस्टर्ड हो रही हैं।

सीएम हेल्पलाइन 181 जन हेतु-जन सेतु

गौरतलब है कि सीएम हेल्पलाइन में हर माह आ रहीं हजारों शिकायतों के निपटारे के लिए सरकार ने ग्रेडिंग की व्यवस्था बनाई है। हाल ही में आई दिसंबर की रिपोर्ट में कई अहम विभाग पीछे रह गए हैं, तो ऊर्जा, पंचायत और नगरीय विकास ने टॉप 10 में जगह बनाकर रखी। कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग लगातार शिकायतों के निपटारे में अव्वल चल रहा है। किसानों, स्कूल व उच्च शिक्षा, पीडब्ल्यूडी के साथ राजस्व और स्वास्थ्य जैसे बड़े महकमे पीछे हैं, जिनसे जनता का सीधे जुड़ाव है। हाल ही में शासन में उच्च स्तर पर बैठक में राजस्व विभाग के तहत आने वाली शिकायतों पर सवाल खड़े हुए थे। इसमें बंटवारा, नामांतर की शिकायतें भी पेंडिंग हैं। हर माह हो रही ग्रेडिंग ने भी इसकी पुष्टि की है।

दो समूह बनाकर विभागों की की मॉनिटरिंग–सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों की मॉनिटरिंग के लिए 54 विभागों को दो समूहों में बांटा गया है। पहले समूह में 30 विभाग रखे गए हैं, जो जनता से सीधे जुड़े हैं। इनमें शिकायतें भी हर माह हजार से ज्यादा हैं। दूसरे समूह में 24 छोटे विभाग रखे गए हैं, जिनमें शिकायतों की संख्या हजार से कम है। इन दोनों समूहों की हर माह ग्रेडिंग की जा रही है। दूसरे समूह में कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग लगातार 90त्न अधिक शिकायतें निपटाकर टॉप पर बना हुआ है। इसमें संस्कृति, पर्यटन, उद्योग, एमएसएमई, एनवीडीए और भोपाल गैस त्रासदी टॉप 10 से बाहर हैं। बड़े विभागों के समूह में टॉप 10 में ऊर्जा, नगरीय विकास, खाद्य, पंचायत, वित्त, गृह व पीएचई जैसे विभाग हैं, जबकि पीडब्ल्यूडी, अजा-अजजा कल्याण, जीएडी, वन, स्वास्थ्य, स्कूल-उच्च और तकनीकी शिक्षा काफी पीछे हैं।

इस तरह से तय होती है विभागों की ग्रेडिंग

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निपटारें के आधार पर विभागों की ग्रेडिंग होती है। विभिन्न पैमानों पर आकलन कर उन्हें नंबर दिए जाते हैं। संतुष्टि के साथ बंद शिकायतों पर 60 प्रतिशत, 50 दिन से ज्यादा लंबित शिकायतों के निपटारे पर 10 प्रतिशत, निम्न गुणवत्ता से बंद शिकायतों को हल करने पर 10 प्रतिशत, जिन शिकायतों को नहीं देखा गया (नॉट अटेंडेंट), उन्हें हल करने पर 10 प्रतिशत और मान्य/अमान्य शिकायतों के निपटारे पर 10 प्रतिशत अंक दिया जाता है। दिसंबर में आई ग्रेडिंग में 30 बड़े विभागों के समूह में ऊर्जा पहले-दूसरे नंबर पर टिका रहा, वहीं टॉप 5 में नगरीय विकास भी रहा। वहीं 24 छोटे विभागों में कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग लगातार अव्वल हैं, वहीं उद्योग, संस्कृति व पर्यटन विभाग पीछे हैं।

1 लाख 45 हजार रु. की मदिरा और वाहन जप्त

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • इंदौर में शराब का अवैध रूप से क्रय-विक्रय, परिवहन तथा भंडारण करने वालों के विरूद्ध कलेक्टर शिवम वर्मा के निर्देशन में आबकारी विभाग द्वारा अभियान चलाकर लगातार कार्रवाई की जा रही है। सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी ने बताया कि वृत्त आंतरिक- 2 की प्रभारी सुश्री जया मुजाल्दे और पलासिया प्रभारी सुश्री प्रियंका रानी चौरसिया ने अपनी टीम के साथ सिंहासा क्षेत्र में सुबह गश्त के दौरान दो बड़ी कार्रवाई की। पहली कार्रवाई में जवाहर टेकरी से कुख्यात ब्लेकर आनंद चौहान के घर के सामने से दोपहिया वाहन से 95 पाव देशी मदिरा मसाला जब्त की गई। साथ ही दूसरी कार्रवाई शांति नगर के एक कुख्यात ब्लेकर सुभाष पवार के घर के सामने से एक बिना नंबर प्लेट की दोपहिया वाहन हीरो डेस्टिनी की डिक्की और हरे रंग के एक झोले से कुल 75 पाव देसी मदिरा बरामद की गई। दोनों स्थानों से जब्त अवैध मदिरा एवं दो दुपहिया वाहनों की कुल बाजार मूल्य लगभग एक लाख 45 हजार रुपये है।

संघ कहेगा तो पद छोड़ने के लिए तैयार हूं : संघ प्रमुख मोहन भागवत का बड़ा बयान

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • मुंबई में आरएसएस की शताब्दी वर्षगांठ के मौके पर मोहन भागवत ने कहा, अगर संघ कहे तो वह कभी भी पद छोड़ने के लिए तैयार हैं। यह बात उन्होंने अपनी 75 वर्ष की उम्र पर एक सवाल का जवाब देते हुए कही है। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार, 08 फरवरी को पद छड़ने को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि यदि संघ चाहे तो वे कभी भी अपने पद से हटने के लिए तैयार हैं।

बता दें कि इस मौके पर भागवत ने संगठन की फंडिंग, जाति व्यवस्था, भाषा विवाद, घर वापसी और अवैध प्रवासियों जैसे मुद्दों पर खुलकर बात की है। उन्होंने कहा कि संघ स्वयंसेवकों के सहयोग से चलता है और सभी जातियों के लिए काम करता है।

आरएसएस प्रमुख के लिए क्या चाहिए–समारोह में संघ प्रमुख मोहन भागवत ने साफ किया कि जो भी काम करने वाला होगा, वही संघ प्रमुख बनेगा, चाहे वो किसी भी जाति का क्यों न हो। भागवत ने आगे कहा जो भी बनेगा, वह हिन्दू ही होगा। उन्होंने कहा कि संघ का प्रमुख न तो ब्राह्मण होता है, न क्षत्रिय और न ही वैश्य। संघ में किसी का मान उसकी जाति से नहीं, बल्कि उसके काम से होता है। जो उपलब्ध है और सबसे योग्य है, उसे ही जिम्मेदारी दी जाती है। भविष्य में एससी (स्ष्ट) या एसटी (स्ञ्) वर्ग का व्यक्ति भी सरसंघचालक बन सकता है। जो काम करेगा, वही आगे बढ़ेगा।

4 किस्म के हिंदू होते हैं–भागवत ने कहा कि हिंदू पहचान को लेकर चार तरह के लोग होते हैं। पहले समूह में वे लोग हैं जो गर्व से अपनी हिंदू पहचान को खुलकर बताते हैं। जैसे, 'गर्व से कहो हम हिंदू हैं। 'दूसरे समूह में वे लोग आते हैं जो हिंदू होने को मानते हैं, लेकिन इसे कोई खास बात नहीं समझते। वे कहते हैं, 'गर्व की क्या बात है? 'तीसरे समूह में वे लोग हैं जो अपनी हिंदू पहचान के बारे में सिर्फ निजी तौर पर ही बात करना पसंद करते हैं। जैसे, 'धीरे बोलो, हम हिंदू हैं। ' चौथे समूह में वे लोग शामिल हैं जो अपनी हिंदू पहचान भूल चुके हैं, या फिर उन्हें भुला दिया गया है।

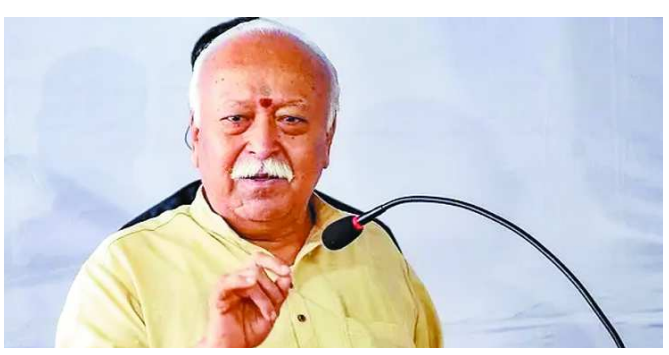

आरएसएस प्रमुख के स्पीच की बड़ी बातें...

- संघ देश में चल रहे अच्छे प्रयासों को मजबूत करने पर ध्यान देता है। संघ कोई मिलिट्री फोर्स नहीं है। रूट मार्च और लाठी अभ्यास के बावजूद इसे सैन्य संगठन नहीं मानना चाहिए।
- हिंदुत्व अपनाने से किसी को कुछ भी छोड़ने की जरूरत नहीं। पूजा-पद्धति, भाषा या रहन-सहन में कोई बदलाव नहीं होगा। हिंदुत्व का मतलब है, सबकी सुरक्षा और एक साथ रहने का भरोसा।
- लोगों की आस्था, खाने-पीने की आदतें, और भाषा अलग हो सकती हैं, लेकिन हम सब एक ही समाज और देश का हिस्सा हैं। यही सोच हिंदुत्व है। इसे भारतीयता भी कह सकते हैं। इसलिए हिंदू-मुस्लिम एकता कहावत सही नहीं है।
- 1925 में ऋस्स् बनने से पहले, अंग्रेजों ने कांग्रेस को अपनी सुरक्षा के लिए बनाया था। बाद में भारतीयों ने कांग्रेस को स्वतंत्रता संग्राम का मजबूत हथियार बना लिया।
- देश में स्वदेशी उत्पादन को मजबूत करना जरूरी है, लेकिन दुनिया से जुड़ाव भी अहम है। यह जुड़ाव टैक्स या टैरिफ लगा कर नहीं होना चाहिए।
- परिवारों में बातचीत जरूरी है ताकि नई पीढ़ी ड्रग्स और सुसाइड से बचे। नागरिकों को यह सोचना चाहिए कि वे देश की सेवा में कितना समय दे सकते हैं। हमें एक-दूसरे का साथ देना होगा और शांति से साथ रहना होगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।